CFM NEWS 24 x 7 COALFIELD MIRROR हर पल आपके साथ

कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

शुभ प्रभात JUPITER FOUNDATION

कोलकाता | शनिवार 15 जून 2024 | वर्ष-07 | अंक-1059 | पृष्ठ-06 | RNI (TA) No. 2022027633

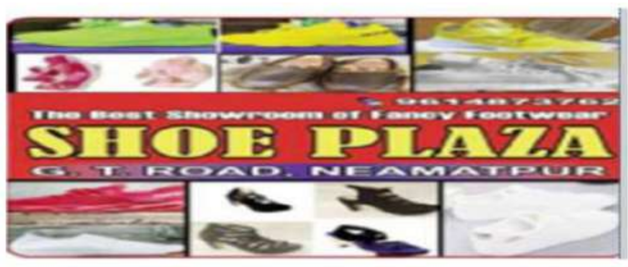

शिक्षिका को हिजाब पहनकर आने से किया मना, तो शिक्षिका ने त्याग दी नौकरी

कोलफील्ड मिरर 15 जून (कोलकाता): एक शिक्षिका के हिजाब को लेकर उठे विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। टीचर ने अब खुद कॉलेज जाने से मना कर दिया है। कोलकाता के एक प्राइवेट लॉ कॉलेज की महिला टीचर ने कहा कि वह अपने कॉलेज में पढ़ाने वापस नहीं जा रही हैं। इसके जवाब में, कॉलेज ने कहा कि वह उनके इस फैसले का "सम्मान" करता है।

बता दें कि शिक्षिका को कथित तौर पर हिजाब पहनकर कक्षाओं में आने से मना किया गया था, लेकिन बाद में कहा गया कि वह सिर पर स्कार्फ बांध कर आ सकती है।

शिक्षिका संजीदा कादर ने कहा कि वह "फिर से काम पर नहीं लौटेंगी" और उन्होंने कॉलेज मैनेजमेंट को एक ईमेल भेजकर इसकी जानकारी दे दी है। एलजेडी लॉ कॉलेज, टॉलीगंज के मैनेजमेंट ने 10 जून को उन्हें भेजे गए ईमेल में कहा कि वह फैकल्टी मेंबर्स के लिए बनाए गए ड्रेस कोड का पालन करते हुए अपने काम पर लौट सकती हैं और "अपनी कक्षाओं के दौरान, वह दुपट्टे को सिर पर स्कार्फ के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।

कादर ने मैनेजमेंट को अपना फैसला बताने के लिए एक हफ्ते का समय मांगा था। इसके बाद उन्होंने बीते गुरुवार को एक नया ईमेल कॉलेज को भेज दिया, जिसमें कहा गया, "आपके आदेश पर गहनता से विचार करने के बाद, मैंने आपके संस्थान में दोबारा ज्वाइन न होने और इसके बजाय नए अवसरों की तलाश करने का फैसला लिया है, क्योंकि मेरा मानना है कि इस समय मेरे करियर के लिए यह सबसे अच्छा विकल्प है। उसने आगे बताया कि उसके लिए यह स्थिति सहज नहीं होगी। उसके संदेश का जवाब देते हुए कॉलेज मैनेजमेंट ने कहा कि वह उसके फैसले का "सम्मान" करता है और उसे शुभकामनाएं देता है साथ ही उसके बेहतरीन करियर की कामना करता है। जानकारी दे दें कि कादर रमज़ान (अप्रैल में) के महीने से कॉलेज पर हिजाब पहन रही थी, लेकिन पिछले हफ़्ते से यह मुद्दा काफी बढ़ गया।

कलकत्ता यूनिवर्सिटी से संबद्ध एक प्राइवेट लॉ कॉलेज (एलजेडी लॉ कॉलेज) की एक शिक्षिका को मैनेजमेंट ने कॉलेज में हिजाब पहनने से परहेज करने को कहा, विरोध में शिक्षिका ने क्लासेस लेना बंद कर दिया और इस्तीफा दे दिया। फिर मामला सामने आने के बाद जब इसका विरोध शुरू हुआ तो संस्थान के अधिकारियों ने कहा कि यह संवादहीनता के कारण हुआ और वह अपना इस्तीफा वापस लेने के बाद मंगलवार को काम पर लौट जाएंगी। जानकारी दे दें कि एलजेडी लॉ कॉलेज में शिक्षिका संजीदा कादर पिछले 3 साल से पढ़ा रहीं थी, संजीदा कादर ने 5 जून को इस्तीफा दिया था। उनका आरोप था कि कॉलेज प्रशासन ने उन्हें 31 मई के बाद कॉलेज में हिजाब न पहनने का निर्देश दिया था।

ईसीएल के सीएमडी ने किया केंद्रीय कोयला मंत्री से शिष्टाचार मुलाकात

कोलफील्ड मिरर 15 जून (पांडवेश्वर): ईसीएल के सीएमडी समीरन दता ने नई दिल्ली में केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी से शिष्टाचार मुलाकात कर कोयला मंत्री का दायित्व मिलने पर फूलो का गुलदस्ता देकर स्वागत किया, कोल इंडिया की

अनुषंगी कंपनी ईसीएल और बीसीसीएल के बारे में बताया और कोयला उत्पादन के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी, कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद और तकनीकी निदेशक बी. वीरा रेड्डी ने भी नई दिल्ली जाकर केंद्रीय कोयला खान मंत्री जी किशन रेड्डी और राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे से भी शिष्टाचार मुलाकात करके कोयला मंत्रालय का दायित्व संभालने पर स्वागत किया था.

मालूम हो की मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में दो युवा मंत्रियों को कोयला मंत्रालय का दायित्व सौपा गया है.

ईसीएल सिस्टा के महासचिव ने किया केंद्रीय कोयला मंत्री से शिष्टाचार मुलाकात

कोलफील्ड मिरर 15 जून (पांडवेश्वर): ईसीएल सिस्टा के महासचिव लच्छीराम और राष्ट्रीय सिस्टा के सदस्य हरेंद्रनाथ रूईदास ने केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी से शिष्टाचार मुलाकात किया और उनको पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया, सिस्टा महासचिव लच्छीराम ने कोयला मंत्री से सिस्टा संगठन के बारे में बताया और कोयला मंत्रालय को युवा नेताओ के हाथो में दिए जाने पर खुशी जताया, लच्छीराम ने बताया की कोयला मंत्री की सादगी और मिलने से खुशी देखने लायक थी, कोयला मंत्री ने सिस्टा संगठन के बारे में जानकर प्रसन्नता जाहिर किया, सिस्टा महासचिव ने कहा कि कोयला मंत्रालय के मंत्री और कोल इंडिया के अधिकारी के साथ सिस्टा संगठन अपनी कार्यक्लापो के साथ खड़ा रहता है और कोयला उत्पादन बढ़ाने के दिशा में कार्य करता है.

उपचुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों का एलान किया

कोलफील्ड मिरर 15 जून (कोलकाता): पश्चिम बंगाल में चार विधानसभा सीटों पर 10 जुलाई को उप-चुनाव होंगे. तृणमूल कांग्रेस ने इसके लिए उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है. आइए, जानते हैं कि शुक्रवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी की ओर से जिन नामों की घोषणा की गई, उनका ट्रैक रिकॉर्ड कैसा रहा है.

उत्तर दिनाजपुर जिले की इस सीट से टीएमसी ने कृष्णा कल्याणी को टिकट दिया है. वह साल 2021 में इसी सीट से बीजेपी के टिकट पर जीती थीं. हालांकि, आम चुनाव से पहले उन्होंने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया और ममता बनर्जी की पार्टी में शामिल हो गईं. टीएमसी ने उन्हें रायगंज लोकसभा सीट से मौका दिया पर उन्हें हार का सामना करना पड़ा.

नदिया जिले की इस सीट से मुकुट मणि अधिकारी को चुनावी मैदान में उतारा गया है. वह भी राणाघाट दक्षिण सीट से बीजेपी के टिकट पर विधानसभा के लिए चुने गये थे. बाद में उन्होंने भी इस्तीफा दिया और फिर टीएमसी में चले गए. राणाघाट लोकसभा सीट से हारने के बाद टीएमसी ने उन पर फिर दांव लगाया है और अब इस विधानसभा सीट से कैंडिडेट बनाया है.

टीएमसी विधायक साधन पांडे के देहांत के बाद यह सीट खाली हुई है. टीएमसी ने यहां से उनकी पत्नी सुप्ति पांडे को मौका दिया है.

उत्तर 24 परगना जिले की इस सीट से टीएमसी ने मधुपर्णा ठाकुर को टिकट दिया. वह पार्टी की राज्यसभा सांसद ममता बाला ठाकुर की बेटी हैं. वह बनगांव से दो बार के लोकसभा सांसद और केंद्र में मौजूदा पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर के करीबी रिश्ते में बहन लगती हैं.

लोकसभा चुनाव 2024 के विधानसभा क्षेत्रवार आंकड़े देखें तो चार में से तीन सीटें (रायगंज, बागढ़ा और राणाघाट) पर बीजेपी की बढ़त है, जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी माणिकताल में आगे है.

मेजिया थर्मल पॉवर स्टेशन में रक्तदान शिविर का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 15 जून (रानीगंज): गंगाजलघाटी के मेजिया थर्मल पावर प्लांट के अधिकारी और सीआईएसएफ इकाई इस दिन रक्त की कमी को पूरा करने के लिए आगे आए हैं। शुक्रवार को मेजिया थर्मल पावर प्लांट कॉलोनी के अंदर एक क्लब में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

डीवीसी मेजिया थर्मल पावर स्टेशन के अधिकारियों और सीआईएसएफ इकाइयों के अधिकारियों ने फीता काटकर रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। बाराजोरा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का ब्लड बैंक रक्त एकत्र करता है। इस रक्तदान शिविर में कुल 75 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया. प्रत्येक रक्तदाता को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिये गये।

आसनसोल रेलवे स्टेशन पर रक्तदान शिविर का आयोजन, डीआरएम ने किया रक्तदान

कोलफील्ड मिरर 15 जून (आसनसोल): विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में आज आसनसोल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 02 पर रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। आसनसोल मंडल के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा मंडल रेलवे अस्पताल, आसनसोल मंडल के रक्त केंद्र के सहयोग से आयोजित इस शिविर में कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई। इस शिविर में कुल 23 यूनिट रक्त एकत्रित किये गये। रक्तदाताओं को इस कार्य हेतु प्रमाण-पत्र भी दिए गए।

रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करने और रक्तदान के महत्व को उजागर करने के लिए पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल रेल प्रबंधक, चेतना नंद सिंह ने स्वयं रक्तदान किया। उनके साथ आसनसोल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक और अन्य शाखा अधिकारीगण,

चिकित्सा अधिकारीगण और कर्मचारीगण भी रक्तदान करने और इस नेक काम का समर्थन करने के लिए उपस्थित थे।

रक्तदान शिविर आसनसोल मंडल की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली और समुदाय को समर्थन देने की निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है। रक्तदान एक जीवन रक्षक प्रक्रिया है जो अस्पतालों में अक्सर की जाती है, और ब्लड बैंकों में रक्त की कमी को दूर करने के लिए रक्तदान एक महत्वपूर्ण तरीका है। मंडल रेलवे अस्पताल में एक अधिकृत ब्लड बैंक है जो जरूरतमंद लोगों के लिए रक्त एकत्र करता है और संग्रहीत करता है, जिससे जीवन बचाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है।

रक्तदान स्वास्थ्य की दृष्टि से भी लाभकारी है, क्योंकि यह न केवल जीवन बचाने में मदद करता है बल्कि नए रक्त कोशिकाओं के उत्पादन को उत्तेजित करके हृदय रोग के जोखिम को कम करता है एवं सामुदायिक और परोपकार की भावना प्रदान करते हुए रक्त दाताओं में बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है।

पूर्व रेलवे का आसनसोल मंडल सभी प्रतिभागियों के प्रति अपना आभार व्यक्त करता है और सभी से समाज की भलाई के लिए ऐसे नेक कार्यों का समर्थन जारी रखने का आग्रह करता है।

आसनसोल दुर्गापुर विकास प्राधिकरण के चेयरमैन बने कवि दत्ता

कोलफील्ड मिरर 15 जून (आसनसोल): आसनसोल–दुर्गापुर विकास प्राधिकरण (एडीडीए) के चेयरमैन कवि दत्ता को नियुक्त किया गया है। संभवत: ऐसा पहली बार है कि किसी गैर राजनीतिक व्यक्ति को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। कवि दत्ता को चेयरमैन बनाये जाने से शिल्पांचल के व्यवापारियों में खुशी की लहर है। गौरतलब है कि रानीगंज के विधायक तापस बनर्जी एडीडीए के चेयरमैन और वाइस चेयरमैन कवि दत्ता थे।

कवि दत्ता को एडीडीए चेयरमैन बनाये जाने पर एसबीएफसीसीआई महासचिव जगदीश बागड़ी, क्रेडाई के बिनोद गुप्ता, उद्योगपति विजय शर्मा, कोलफील्ड टिंबर एंड शा, मिलियन ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय तिवारीफास्बेक्की महासचिव सचिन राय, अजय खैतान, पवन गुटगुटिया, आसनसोल चैंबर के सचिव शंभूनाथ झा, सलाहकार नरेश अग्रवाल, पटेल समाज के आशीष पटेल, गुजराती समाज के अध्यक्ष निखिलेश उपाध्याय, सिख वेलफेयर सोसाइटी के संस्थापक सुरजीत सिंह मक्कड़ आसनसोल चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, सतपाल सिंह आदि ने बधाई दी।

CBSE-Class XI Arts /Science & Commerce free admission going on.

Amount is Rs.25, 000 (Rs.10, 000 is the refundable security amount and Rs.15, 000 is adjustable with the hostel fees)

CONTACT NO- 9046111651, 7478052188

ADDRESS- BEHIND PP GORAI BUILDING ,HARIBOL TALA, HUTTON ROAD ,ASANSOL 713301

"Packing bags, arranging old stuff was not easy as I thought, my memories over weighed my luggage as I left my hostel room for the last time"

आसनसोल के एक निजी अस्पताल में मरीज की मौत, परिजनों का हंगामा

कोलफील्ड मिरर 15 जून (आसनसोल): आसनसोल के सनरेले रोड स्थित एक निजी अस्पताल में मरीज के मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल पर लापरवाही पर लापरवाही का आरोप लगाते हुई बिरोध प्रदर्शन किया।

उल्लेखनीय है कि बिरभूम के 19 वर्षोय देबाशीष बाउरी को बुखार और सिर मे दर्द के कारण आसनसोल के एक निजी अस्पताल में गुरुवार को भर्ती किया गया और आज सुबह उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि गलत इलाज के कारण युवक कि जान चली गई। युवक के पिता और रिस्तेदारो ने बताया कि उसकी तबियत बिगड़ने के बाद सरकारी अस्पताल ले जाया गया, वंहा से कहने पर इस हॉस्पिटल में लाया गया। डॉक्टर ने जैसा कहा वैसा किया गया, जो दवा लिखें सब ला कर दिया गया जो टेस्ट लिखें उसके रकम देने कि बात कही गई। किन्तु डॉक्टर ने हमें फंसाये रखा। हमें मरीज कि हालत में सुधार नहीं दिख रही थी, हमने उसे दुसरे अस्पताल रेफेर करने को भी कहा, वो नहीं किये। अस्पताल के तरफ से जो टेस्ट के रिपोर्ट और बिल के फ़ाइल दिये गये थे उसमे किसी भी प्रकार के टेस्ट के रिपोर्ट नहीं थे, जबकि पेमेंट माँगा जा रहा था, ज़ब इसको लेकर हमलोगो ने कही तों पुलिस बुला लिया गया और पुलिस ने वो फ़ाइल ले लिया फिर हमें अस्पताल कि तरफ से जो फ़ाइल दिये गये वो दूसरा फ़ाइल था। हमें सक है फ़ाइल बदले गये है। उनलोगों कि मांग थी कि प्रशासन सिसिटीवी कि जांच करें और उचित कदम उठाये।

आपको बता दे कि इस अस्पताल के विरुद्ध अक्सर कई बार कई मरीज के परिजनों कि तरफ से लगातार आरोप लगे है। अबतक एक भी ऐसा मामला प्रकाश में नहीं आया है कि, जाँच होती भी है या नहीं यदि होती है तो अंततः होता क्या है। प्रशासन को चाहिए सटीक जाँच कर कड़े कदम उठाये।

महीनों से राशन नहीं मिलने के कारण ग्राहकों ने किया विरोध प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 15 जून (जामुड़िया): श्रीपुर पुलिस फाड़ी स्थित बोरो एक के वार्ड संख्या 10 मे राशन शॉप मे कई महीनों से राशन नहीं दिये जाने का आरोप लगाते हुए स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। राशन लेने आए ग्राहकों का आरोप है कि पिछले चार महीने से राशन नहीं मिल रहा है, लेकिन आज भी राशन लेने के लिए राशन दुकान के सामने लोगों की लंबी लाइन लगी हुई है, राशन नहीं मिला तो वे सड़क पर बैठकर प्रदर्शन करने लगे। लोगों में राशन शॉप के मालिक के प्रति काफ़ी गुस्सा है।सभी इस शॉप को बंद करने कि मांग कर रहे है। सबका कहना है ये पहली बार नहीं हुआ है ऐसा आगे भी कई बार होता रहा है। हमलोग बिरोध करते है प्रशासन आती है समझौता करते है और फिर से वही कार्यक्रम शॉप मालिक द्वारा किया जाता है। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा ये सब मिलीभगत है जब राज्य के खाद्य मंत्री ही इसी भ्रष्टाचार में जेल गये है तों ये लोग क्या है। सत्ता पक्ष के लोगों को चाहिए बैठ कर उचित कदम उठाये। वही घटना खबर पा कर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए जामुड़िया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने कि कोशिश की।

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की 79वीं कॉर्पोरेट स्तरीय द्विपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक

कोलफील्ड मिरर 15 जून (सांकतोड़ीया): ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की 79वीं कॉर्पोरेट स्तरीय द्विपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक ईसीएल के सुरक्षा विभाग द्वारा ईसीएल मुख्यालय के सीएमडी कार्यालय के संकल्प कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित की गई। इस अवसर पर ईसीएल के निदेशक (वित्त) मोहम्मद अंजार आलम और ईसीएल के निदेशक (तकनीकी) (ओपी और पीपी) नीलाद्रि रॉय ने बैठक की शोभा बढ़ाई। ट्रेड यूनियनों की ओर से कल्याण बनर्जी ने सीएमएस (एआईटीयूसी) का प्रतिनिधित्व किया, बिनोद सिंह ने सीएमएसआई (सीआईटीयू) का प्रतिनिधित्व किया, जितेन मंडल ने डब्ल्यूबीकेएमएस (यूटीयूसी) का प्रतिनिधित्व किया, शबे आलम ने सीएमसी (एचएमएस) का प्रतिनिधित्व किया, श्रीकांत दत्ता ने केएससी (बीएमएस) का प्रतिनिधित्व किया और आरकेपी सिंह ने इंडिया माइन मैनेजर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व किया।

बैठक में ईसीएल मुख्यालय के प्रमुख विभागाध्यक्ष, सभी एरिया जीएम, सभी एरिया सुरक्षा अधिकारी और आंतरिक सुरक्षा संगठन के अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता संयुक्त रूप से अंजार आलम, निदेशक (वित्त), ईसीएल और नीलाद्रि रॉय, निदेशक (तकनीकी) (ओपी और पीपी), ईसीएल ने की। ईसीएल के सीधे और अनुबंध पर कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य देखभाल पर विस्तृत चर्चा हुई। दुर्घटनाओं या घटनाओं के मूल कारण विश्लेषण, सुरक्षा उपकरणों का प्रावधान, सुरक्षा निगरानी को मजबूत करना, श्रमिकों का प्रशिक्षण, जनशक्ति का प्रावधान, श्रमिकों का संवेदीकरण, सुरक्षा परामर्श और स्वास्थ्य देखभाल आदि जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक का समापन सभी हितधारकों की ओर से एक सुरक्षित ईसीएल बनाने की दिशा में मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

रक्तदान शिविर का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 15 जून (रानीगंज): तिरुवेन्ना हेल्थ केयर के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें हेल्थ केयर के महिला एवं पुरुष अधिकारियों ने रक्तदान किया. हेल्थ केयर के डायरेक्टर विकास खेमका एवं रमेश भौमिक ने रक्तदान करने वाले लोगों को स्मृति चिन्ह भेंट किया एवं कहा कि रक्तदान महादान ने रक्तदान करके किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है. रक्त देने से शरीर भी स्वस्थ रहता है.

सभी लोगों को रक्तदान आंदोलन में आगे आने की जरूरत है. इस मौके पर आसनसोल जिला ब्लड बैंकिंग की तरफ से रक्त संग्रह किया गया. डॉ विकास रावत ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का होना काफी जरूरी है, क्योंकि ब्लड बैंक में रक्त की कमी को देखते हुए सामाजिक संस्थान एवं सभी अस्पतालों को भी इस दिशा में आगे आने की जरूरत है.

कुल्टी मदद फाउंडेशन एवं बराकर मारवाड़ी महिला समिति के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 15 जून (कुल्टी): विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर कुल्टी रविंद्र कला केंद्र में शुक्रवार को कुल्टी मदद फाउंडेशन एवं बराकर मारवाड़ी महिला समिति के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 11 महिला एवं चार पुरुष सहित कुल 15 लोगो ने भीषण गर्मी के बावजूद बढ़-चढ़ कर स्वेच्छा से रक्तदान किया। साथ ही शिविर में कुल 8 महिला एवम 2 पुरुष जीवन का प्रथम रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को अतिथियो द्वारा मोमेंटो एवम प्रमाणपत्र देकर रक्तदान सम्मान से सम्मानित किया गया।

रक्तदान शिविर का शुभारंभ सर्वप्रथम कवि गुरु रविंद्रनाथ टैगोर के चित्र पर माल्यार्पण करने के बाद अतिथिओ द्वारा शिविर का विधिवत फीता काटकर उदघाटन किया गया। शिविर में कुल्टी मदद फाउंडेशन के संस्थापक एवम कार्यकारी अध्यक्ष रवि शंकर चौबे, अध्यक्ष डा. ममता मिश्रा, उपाध्यक्ष पंकज प्रसाद, महासचिव रिंकू चौबे, कोषाध्यक्ष किरन प्रसाद, बराकर मारवाड़ी महिला समिति की रजनी माधोगड़िया, संगीता अग्रवाल, किरण अग्रवाल, कुल्टी टाउन सोसल वेलफेयर के तपन सरकार, सीखा बागची, प्रभाकर साहा, सेल राइट्स के महाप्रबंधक प्रभारी शुसांत भट्टाचार्य, महाप्रबंधक उज्ज्वल मुखर्जी, मारवाड़ी युवा मंच कुल्टी के राजेंद्र पोद्दार एवम अनूप सर्राफ, अखिल भारतीय बरनवाल मोदी समाज के महासचिव प्रेमलाल वर्णवाल, जाने माने चित्रकार सुमित गांगुली, ममता चेरेटेबल के असीम माजी, आसनसोल एकतायन के भोला, टीपू सुलतान मेमोरियल से मोहमद सोहेल, प्रतिध्वनि फाउंडेशन आसनसोल से सुरंजना मुखर्जी, राज भट्टाचार्य, कंज्यूमर राइट्स की मिठू मुखर्जी, सीटी केबल के कर्णधार जयदीप मुखर्जी, कुल्टी मारवाड़ी महिला समिति की अध्यक्ष साक्षी पोद्दार, सचिव रीना अग्रवाल, आशा अग्रवाल, अग्निबीना की रंजना भट्टाचार्य, आस्था द प्राइड के सुकांत सिन्हा, आत्मदिशा के देबीदास राय, सांस्कृतिक जगत की जानी मानी कलाकार प्रणति सेनगुप्ता, अपर्णा मजूमदार, अर्रघा सेनगुप्ता, समाजसेवी काकली चटर्जी, सहित क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति एवम समाजसेवी संगठन के लोग मौजूद थे।

विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित रक्तदान शिविर में एक ही परिवार से कुल्टी मदद फाउंडेशन के रवि शंकर चौबे एवम उनकी धर्मपत्नी रिंकू चौबे के अलावा किरण प्रसाद, ममता पोद्दार, कुणाल मित्रा, ममता सरैया, सहित अपने जीवन में पहली बार रक्तदान करने वालों में एक ही परिवार के मो साहिद एवम उनकी भाभी संजीदा खातून, पलक माधोगड़ीया, सुमिता मुखर्जी, शिवानी झा, दिव्या गुप्ता, मनीषा केशरी, रौनक दास ने पहली बार रक्तदान किया।

नियामतपुर सार्वजनिक छठ पूजा समिति की ओर से छठ घाट का कार्य आरम्भ

कोलफील्ड मिरर 15 जून (नियामतपुर): नियामतपुर सार्वजनिक छठ पूजा समिति की ओर से छठ घाट का कार्य आरम्भ किया गया। नियामतपुर सार्वजनिक छठ पूजा समिति के अध्यक्ष चुनचुन राउत, सचिव जगरनाथ प्रसाद, कोषाध्यक्ष कृष्णा सिंह के साथ समाज सेवी राजनैतिक दल के नेता टिंकु वर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

छठ पूजा समिति के अध्यक्ष चुनचुन राउत ने कहा कि नियामतपुर शिव मंदिर छठ तालाब में छठ पूजा काफ़ी शांति पूर्ण ढंग से किया जाता हैं। काफ़ी लंबे समय से छठ घाट को पक्कीकरण की आवश्यकता थी। ताकि छठ घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं को महापर्व के पवित्र दिन पर पूजा अर्चना अच्छे से हो सके। चूँकि घाट पर आने वालों की सँख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

नियामतपुर छठ घाट समिति के सचिव जगरनाथ प्रसाद ने कहा कि 100 फुट हमनें छठ घाट को पक्के सीमेंट से बनाने का कार्य आरम्भ किया है। जो श्रद्धालु या समाज के विशिष्ट गणमान्य व्यक्ति हो वे छठ घाट बनाने में अपना सहयोग कर सकते है।

इस संदर्भ में समाज सेवी सह राजनैतिक नेता टिंकु वर्मा ने कहा कि 2019 में 12 लाख रुपये नियामतपुर सावर्जनिक शिव मंदिर छठ घाट की सीढ़ीयो का निर्माण के लिए सांसद फंड से दिया गया था। परतुं आसनसोल की ओछी राजनीतिक के कारण छठ घाट नहीं बन पाया और रुपया लौट गया।

श्री वर्मा ने कहा मौजूदा अवस्था मे नियामतपुर सावर्जनिक छठ घाट समिती अपने स्तर पर सामाजिक रूप से चंदा लेकर छठ घाट का निर्माण कर रहीं है जो एक सराहनीय कार्य है। इसके बन जाने से हिन्दू धर्म का महापर्व पर श्रद्धालुओं को पूजा पाठ में असुविधा नहीं होगी।

बराकर फाड़ी परिसर मे बकराईद को लेकर शांति समिति की बैठक

कोलफील्ड मिरर 15 जून (बराकर): बराकर फाड़ी परिसर मे देर शाम गोरुवार को बकराईद पर्व, शांति व सौहार्द वतावरण मे मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक की गई।

बैठक की अध्यक्षता एसीपी वेस्ट जावेद हुसैन व कुल्टी थाना प्रभारी कृष्णन्दू दत्ता ने संयुक्त रूप से किया, वही संचालन बराकर फाड़ी इंचार्ज लक्ष्मी नारायण दे ने किया।

मौके पर बैठक मे विभिन्न क्षेत्रो से आये हुये दोनो समुदाय के समिति के सदस्यो, सभी दलों के नेता, जनप्रतिनीधियों को बकराईद पर्व मनाये जाने को लेकर विचार लिया गया। उपस्थित दोनो समुदाय के लोगो ने बकराईद पर्व मनाने व आने वाली कई बाधाओ के विषय मे बारी बारी से अपना विचार दिया। साथ ही आपसी भेदभाव भूलाकर भाई चारे के साथ बकराईद पर्व मनाने का संकल्प लिया।

मौके पर बराकर चैंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्य, बराकर सदर अखाड़ा के सदर खलील खान के आलावा हराधन मंडल, पप्पू सिंह, शंकर शर्मा, सुब्रत भादुरी, अली हुसैन मुन्ना, अब्दुल बारी, मोहसिन खान, सलीम रिजवा,न सोहराब खान, फिरोज अंसारी, अली अकबर गैलरिया आदि विभिन्न क्षेत्रो के ग्रामीण मौजूद थे।

शिशु शिक्षा केंद्र की प्रधान शिक्षिका को सेवानिवृति पर विदाई समारोह

कोलफील्ड मिरर 15 जून (उखड़ा): अंडाल प्रखंड के उखड़ा ग्राम पंचायत अंतर्गत श्याम सुंदरपुर चंचनी कोलियरी भुइया पाड़ा स्थित शिशु शिक्षा केंद्र की प्रधान शिक्षिका प्रेमलता विश्वकर्मा सेवानिवृत होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया, इस अवसर पर स्कूल की सभी शिक्षिकाएं एवं आईसीडीएस महिला कर्मियों एवं स्कूल के छोटे-छोटे बच्चों ने शाल और पुष्प गुच्छ कलम एवं उपहार देकर सम्मानित किया, इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्रधान शिक्षिका ने स्कूल के आईसीडीएस कर्मियों को साड़ी वितरण किया, अतिथि के रूप में उखड़ा नेहरू विद्यापीठ हाई स्कूल के पूर्व शिक्षक डॉ सत्यनारायण राय, उखड़ा आदर्श हिंदी जूनियर हाई स्कूल के शिक्षक मोहम्मद इसराफिल, स्थानीय समाजसेवी संजय गौड़ उपस्थित थे.

स्कूल में कार्यरत शिक्षिका सुजाता राय नीतू नीलम माझी एवं मेहरु निशा आदि ने बताया कि हमारे स्कूल की प्रधान शिक्षिका प्रेमलता विश्वकर्मा ने स्कूल का निर्माण होने से लेकर आज तक महत्वपूर्ण सेवा प्रदान किया है, इस स्कूल में पढ़ने वाले छात्र- छात्राओं को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए हर तरह की कोशिश की है और बेहतर शिक्षा प्रदान किया है, हम लोगों के साथ भी हमेशा से ही अच्छा संबंध रहा है, स्कूल का संचालन ईन्होंने बेहतर ढंग से किया है, आज इनका सेवानिवृत होने से हम लोग बहुत दुखी है और एक तरफ खुशी भी है, हम लोग सब ईश्वर से प्रार्थना करेंगे की उनके बाकी बचे जीवन अपने परिवार वालों के साथ खुशी से व्यतीत सेवानिवृत्त प्रधान शिक्षिका प्रेमलता विश्वकर्मा ने भी स्कूल के प्रति अपनी सेवा भावना को प्रकट किया.

रानीगंज लायंस डीएवी स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

कोलफील्ड मिरर 15 जून (रानीगंज): विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डीएवी स्कूल रानीगंज में विद्यार्थियों के मध्य जागरूकता पैदा करने के लिए अध्यापक, अध्यापिका ने कुछ प्रभावी कार्यक्रमों को आयोजित किया। विश्व पर्यावरण दिवस पर आधारित बच्चों द्वारा कराई गई कुछ गतिविधियां है जैसे कि कचरा कम करें अपशिष्ट कम करें ऊर्जा बचाए एवं प्लास्टिक का उपयोग कम करें ई कचरा से निकलने वाले हानिकारक विषाक्त पदार्थ फेफड़ों के संरचनात्मक विकास और कार्य को प्रभावित करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल की प्रिंसिपल मंदिरा दे की भूमिका अहम रही।

मंडल रेल प्रबंधक ने आसनसोल में आरआरआई और यार्ड का निरीक्षण किया

कोलफील्ड मिरर 15 जून (आसनसोल): पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक चेतना नंद सिंह ने आसनसोल में रूट रिले इंटरलॉकिंग (आरआरआई) प्रणाली और यार्ड का व्यापक निरीक्षण किया।

यह दौरा रेलवे के बुनियादी ढांचे के अंतर्गत इष्टतम परिचालन दक्षता और संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आसनसोल मंडल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

इस निरीक्षण के दौरान, श्री सिंह ने आरआरआई प्रणाली की कार्यक्षमता की समीक्षा की, जो ट्रेन की आवाजाही के सुरक्षित और कुशल प्रबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है। उन्होंने यार्ड सुविधाओं की वर्तमान स्थिति का भी मूल्यांकन किया, जिसमें सुचारू रेल संचालन का समर्थन करने के लिए उच्च मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया गया।

श्री सिंह ने ऑन-ग्राउंड स्टॉफ से बातचीत की, उनकी चिंताओं की जानकारी ली और रेलवे के बुनियादी ढांचे को बनाए रखने में उनके प्रयासों की सराहना की। यह सक्रिय भागीदारी सेवा विश्वसनीयता और यात्री संरक्षा बढ़ाने के लिए मंडल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इस निरीक्षण कार्यक्रम में नामित शाखा अधिकारीगण और वरिष्ठ पर्यवेक्षक भी मौजूद थे।

पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल में बिजली और यातायात ब्लॉक के कारण ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन

कोलफील्ड मिरर 15 जून (आसनसोल): दमदम जंक्शन और बारानगर स्टेशन (15.06.2024 को 22:30 बजे से 16.06.2024 को 06:30 बजे तक) के बीच अप लाइन पर ब्रिज नंबर 2 सीसीआर पर तथा दमदम जंक्शन और बेलघरिया स्टेशनों (15. 06. 2024 को 23:40 बजे से 16. 06. 2024 को 05:40 बजे तक) के बीच अप और डाउन दोनों उपनगरीय लाइन में ब्रिज अनुरक्षण कार्य के संबंध में 15/16.06.2024 (शनिवार/ रविवार) को ट्रैफिक ब्लॉक योजना बनाई गई है। परिणामस्वरूप ट्रेन संचालन हेतु निम्नलिखित व्यवस्थाएं की गई हैं: 15.06.2024 को मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का मार्ग-परिवर्तन, दमदम जंक्शन- डानकुनी के बजाय दमदम जंक्शन- नैहाटी- बंडेल के रास्ते डायवर्ट किया गया। 13165 कोलकाता-सीतामढ़ी एक्सप्रेस, 12987 सियालदह-अजमेर एक्सप्रेस, डानकुनी के बजाय नैहाटी- बंडेल के रास्ते डायवर्ट किया गया, 03187 सियालदह-जयनगर स्पेशल.

बंकोला क्षेत्रीय सभागार में महाप्रबंधक की उपस्तिथि में युवा अधिकारियों के साथ बैठक

कोलफील्ड मिरर 15 जून (पांडवेश्वर): ईसीएल बंकोला क्षेत्रीय सभागार में शुक्रवार को महाप्रबंधक संजय कुमार साहू की उपस्तिथि में प्रशिक्षुक अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया. जिसमें क्षेत्र के सभी कोलियरियो में कार्यरत युवा प्रसिक्षुक उपस्थित थे.

महाप्रबंधक ने युवा अधिकारियों के कार्यकलापों के बारे में जानकारी प्राप्त किया और माइनिंग अधिकारियो को खदान के बारे में जानकारी प्राप्त करने श्रमिको के साथ मधुर व्यवहार बनाकर सुरक्षा इंतजामों पर ध्यान देते हुए कार्य करने की बात कही. महाप्रबंधक ने युवा अधिकारियों से उनकी सुविधा और असुविधा को लेकर भी चर्चा किया और कहा की आने वाले दिनों में बंकोला क्षेत्र का कोयला उत्पादन में उज्वल भविष्य दिखाई दे रहा है,

इसलिए आपलोग युवा हो खदान के बारे में जानकारी हासिल करे अपने वरिष्ठ अधिकारियों से वार्ता के माध्यम से जानकारी प्राप्त करे. महाप्रबंधक ने कहा की आने वाले दिनों में ईसीएल के सीएमडी से भी आपलोग मिलेंगे और सुझाव का आदान प्रदान होगा, इसलिए आपलोग अपनी तैयारी में रहे.

बैठक में क्षेत्र के एजीएम अमिताभ भट्टाचार्य, एमपीसीडी अधिकारी रंजन मधुकर ने भी युवा अधिकारियों को संबोधित किया.

आज का राशिफल

15 जून 2024
शनिवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन बेहतर रहेगा। भविष्य की योजना पर विचार-विमर्श करेंगे। दाम्पत्य जीवन बेहतरीन रहने वाला है। अचानक से धन लाभ के मौके मिलेंगे। अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखे।

वृषभ
दिन बढ़िया रहेगा। घूमने जाने का प्लान बनायेंगे। सरकारी मामलों में लापरवाही ना करें। काम में सतर्कता और ईमानदारी रखें।सामाजिक समारोह में जाने का मौका मिलेगा।

मिथुन
दिन सामान्य रहेगा। प्रॉपर्टी सम्बन्धी निवेश से लाभ होने की संभावना है। दिन व्यस्तता और भाग-दौड़ में बीत सकता है। नौकरी क्षेत्र मे प्रमोशन मिल सकता हैं। सेहत ठीक रहेगी।

कर्क
दिन बढ़िया रहेगा। काम के सिलसिले में यात्रा के योग बन रहे हैं। ऑफिस के कार्यों में जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को जॉब का ऑफर आएगा।

सिंह
दिन बेहतर रहेगा। कठिन परिश्रम के सुखद परिणाम मिलेंगे। दाम्पत्य जीवन में मधुरता रहेगी। आप अपने परिवार और कारोबार में अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में सक्षम रहेंगे।

कन्या
दिन उत्साह भरा रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित कारोबार में कोई बड़ी डील फाइनल होगी। लापरवाही और उदारता व्यापार के लिए नुकसानदायक हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखे।

तुला
दिन खुशहाल रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में सफलता मिल सकती है। कई दिनों से घर में चल रही समस्या आज सुलझ जाएगी। रुके हुए काम भी पूरे होंगे। शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

वृश्चिक
दिन मिला-जुला रहेगा। आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए आप निरंतर प्रयास करेंगे। आपका काफी दिनों से रुका धन वापस मिलेगा। मन नए काम को करने के लिए उत्सुक होगा।

धनु
दिन अच्छा रहेगा। कोई सोचा हुआ काम आज पूरा हो जायेगा। अपनों की मदद के लिये तैयार रहेंगे। बिजनेसमैन को काम में कुछ नए अनुभव मिलेंगे। करियर के बारे में सोच-विचार करेंगे।

मकर
दिन खुशनुमा रहेगा। पिता जी से सहयोग मिलेगा, काम में आसानी होगी। खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। कुछ ख़ास लोगों से मुलाकात होगी। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

कुंभ
दिन उत्तम रहेगा। घूमने का प्लान कुछ दिनों के लिए टालना पड़ सकता है। परिवार के कुछ खास मामलों में आपको अनदेखी करने से बचना चाहिए। कारोबार में बड़ी डील साइन हो सकती है।

मीन
दिन अच्छा रहेगा। लोगों के प्रति आपका अच्छा रवैया आपको लोगों का प्रिय बना देगा। बड़े- बुजुर्गों की सलाह आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं।

फिर बम धमाकों से गूंजा धनबाद, जमकर हुई गोलीबारी

कोलफील्ड मिरर 15 जून (धनबाद): लोयाबाद थाना क्षेत्र के बांसजोड़ा साकार मास आउटसोर्सिंग स्थल गोली-बम के धमाकों से दहल उठा, घटना बीती गुरूवार की रात करीब एक बजे की बताई जा रही है, अपराधियों ने आउटसोर्सिंग के व्यू प्यांट पर गोली-बम चलाकर दहशत फैलाया,

घटना की जानकारी मिलने के बाद लोयाबाद पुलिस रात में ही घटनास्थल पर पहुंची और छानबीन किया. घटनास्थल से एक जिंदा गोली, एक खोखा और बम की सुतली बरामद हुई है, घटना के बाद सुबह आउटसोर्सिंग के मजदूरो ने सुरक्षा की मांग को लेकर काम बंद कर दिया और घटना के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे, पुलिस और आउटसोर्सिंग प्रबंधन के आश्वासन के बाद मजदूर काम पर लौटे,

बांसजोड़ा साकार मास आउटसोर्सिंग कंपनी जो कि अभी डेको आउटसोर्सिंग द्वारा पेटी कांट्रेक्ट पर चलाया जा रहा है, तृतीय पाली मे रात्री करीब एक बजे चार मोटरसाइकिल पर सवार नकाबपोश नौ अपराधी आउटसोर्सिंग के व्यू प्यांट पर पहुंचे और बम पटकना शुरू कर दिया, अपराधियों ने करीब एक दर्जन बम विस्फोट किए और जाते-जाते गोलीबारी भी की, बम के धमाके और गोलियों की तड़तड़ाहत सुन वहां पर अफरा तफरी मच गई. कर्मी अपनी-अपनी हाइवा लेकर इधर-उधर भागने लगे,

मामले मे साकार मास आउटसोर्सिंग कंपनी के कर्मी जयशंकर शर्मा ने लोयाबाद पुलिस से 9 अपराधियो के खिलाफ माइंस के व्यू प्यांट मे 8-10 बम विस्फोट करने और दो राउंड गोली चलाकर कंपनी का काम बंद करवाने की लिखित शिकायत की है, अपनी शिकायत मे उन्होने बताया है कि घटना मे तृतीय पाली के शिफ्ट इंचार्ज गौतम महतो बाल बाल बचे और जाते-जाते कंपनी को मैनेज करने की बात बोले और न करने पर बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी, उन्होंने बताया कि इसके पहले भी कंपनी मे तोड़ फोड़ और मारपीट की घटना हुई है, घटना की निंदा करते हुए डेको के जीएम मधु सिंह ने कहा कि पुलिस से सुरक्षा की मांग की गई है, लोयाबाद थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार ने कहा कि सूचना पर रात मे पुलिस वहां गई थी, जांच पड़ताल की जा रही है

इस घटना के बाद चारों तरफ दहशत का माहौल बन गया. घटना की सूचना मिलते ही लोयाबाद थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की. इस घटना से मजदूरों में भय पैदा हो गया है, इसलिए शुक्रवार की सुबह सुरक्षा की मांग को लेकर मजदूरों ने काम बंद कर दिया और प्रदर्शन करने लगे. मजदूरों का कहना था कि कंपनी प्रबंधन और पुलिस उन्हें सुरक्षा मुहैया कराए तब काम होगा. कुछ देर बाद पुलिस और प्रबंधन के आश्वासन के बाद मजदूरो ने काम शुरू किया।

पेशा नियमावली लागू करने के प्रति सीएम चंपाई गंभीर

कोलफील्ड मिरर 15 जून (धनबाद): रांची/ मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने पेशा नियमावली लागू करने को लेकर उच्च अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण मीटिंग की। नियमावली को लागू करने के प्रति सीएम अत्यंत गंभीर हैं। मुख्यमंत्री के समक्ष झारखंड मंत्रालय में पंचायती राज विभाग के अधिकारियों की ओर से 'पेशा-एक परिचय व रोड मैप' विषय पर पावर पॉइंट प्रजेंटेशन दिया गया।मुख्यमंत्री ने इसकी समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कई महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री व अधिकारियों के बीच राज्य में शीघ्र पेसा कानून लागू किया जा सके, इसके लिए कई अहम बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

मौके पर मंत्री दीपक बिरुवा, मुख्य सचिव एल खियांग्ते, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अविनाश कुमार, पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक व पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सचिव कृपानंद झा, निदेशक पंचायती राज निशा उरांव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नियमावली के महत्वपूर्ण प्रावधान- ग्राम सभा की सहमति के बिना जमीन अधिग्रहण नहीं कर सकेगी सरकार। ग्राम सभा की बैठकों की अध्यक्षता मानकी मुंडा आदि पारंपरिक प्रधान करेंगे। आदिवासियों की जमीन खरीद बिक्री मामले में भी ग्राम सभा की सहमति की बाध्यता होगी। पुलिस की भूमिका निर्धारित करते हुए किसी की गिरफ्तारी के 48 घंटे के अंदर गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी ग्राम सभा को देने की बाध्यता तय की गई है। ग्राम सभा को आदिवासियों की जमीन वापस करने का अधिकार भी दिया गया है। ग्राम सभा विधि व्यवस्था को लेकर 10 रुपए से लेकर एक हजार रुपए तक दंड भी लगा सकेगी। दंडित व्यक्ति को अपील करने की भी शक्ति प्राप्त होगी।

रांची सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस की एक बोगी में आग लगने की सूचना

कोलफील्ड मिरर 15 जून (धनबाद): लातेहार/ हेहेगड़ा कुंमडी रेलवे स्टेशन के बीच रेल हादसे की सुचना। रांची सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस की एक बोगी में आग लगने की सूचना, ट्रेन से उतर कर भागने के दौरान माल गाड़ी की चपेट में आने से कई लोगों के मरने की अपुष्ट खबर मिल रही है।

सरसों तेल लूटकांड का आरोपी गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 15 जून (धनबाद): रांची/ चान्हो थाना क्षेत्र के कटैया मोड़ के पास बीते 30 मई को अपराधी सरसों तेल से लदी पिकअप वैन लूटकर फरार हो गये थे। इस मामले में रांची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चतरा से मो. शहंशाह नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस घटना में शामिल मजहर और अमन अंसारी नाम का अपराधी फरार है।

हाई कोर्ट ने कार्रवाई नहीं किये जाने पर नाराजगी जतायी

कोलफील्ड मिरर 15 जून (धनबाद): झारखंड उच्च न्यायालय ने देवघर रोपवे हादसा मामले में अबतक कार्रवाई नहीं किये जाने पर नाराजगी जतायी। न्यायालय ने पर्यटन सचिव को 26 जून से पहले जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

नाबालिग लड़की को लातेहार से चेन्नई ले जा रहे दो तस्कर गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 15 जून (धनबाद): रांची/ आरपीएफ ने दो मानव तस्कर को गिरफ्तार किया है, लातेहार जिले के छोटू उरांव और रबलू उरांव नामक दोनो मानव तस्कर को गिरफ्तार कर कोतवाली थाना स्थित एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को सौंप दिया गया है।

ट्रक-ऑटो में टक्कर, 5 मजदूरों की मौत, 6 की हालत गंभीर

कोलफील्ड मिरर 15 जून (धनबाद): गढ़वा में सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि 6 लोग बुरी तरह घायल हुए हैं। हादसा एनएच 75 गढ़वा मुड़ीसेमर मार्ग पर श्री बंशीधर नगर थाना क्षेत्र के जतपुरा गांव के पास हुआ। सभी मजदूर ऑटो से रेलवे स्टेशन जा रहे थे। इसी दौरान ट्रक से आमने-सामने की टक्कर हो गई। घटना गुरुवार की देर रात की है।

धनबाद मंडल के विभिन्न खण्डों में चलाया गया टिकट चेकिंग अभियान

कोलफील्ड मिरर 15 जून (धनबाद): धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है| इसी क्रम में दिनांक 13.06.24 को धनबाद मंडल के विभिन्न खण्डों के साथ-साथ धनबाद, गोमो, कोडरमा, डाल्टनगंज, चोपन, बरकाकाना, सिंगरौली स्टेशनों में गहन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया| इस जांच अभियान में कुल 1705 यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे| इस दौरान उनसे 09 लाख 76 हज़ार 660 रूपए जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई व कड़ी हिदायत दी गई| चेकिंग अभियान में 168 टिकट चेकिंग कर्मियों को लगाया गया था| चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/ एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया| इस अभियान का उद्देश्य टिकट काउंटर की बिक्री बढ़ाना, बिना टिकट के यात्रा करने वाले यात्रियों पर लगाम लगाना एवं यात्रियों को टिकट लेने के लिए प्रेरित करना है जिससे कि वो अगली बार टिकट लेकर यात्रा करे।

आज दिवंगत ममजदुर नेता सुरयदेव सिंह की पुण्यतिथि पर श्रध्दांजली सभा मे लोग देंगे पुष्पांजलि

कोलफील्ड मिरर 15 जून (धनबाद): झरिया, भाजपा नेत्री रागनी सिंह ने कतरास मोड़ चौक स्थित स्वर्गीय सूर्यदेव सिंह के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित के लिए किया लोगों किया आमंत्रित,

कल 15 जून को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूर्व झरिया विधायक और मजदूरों के मसीहा कहे जाने वाले स्वर्गीय सूर्यदेव सिंह जी के 33वें पुण्यतिथि पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमे काफी संख्या में लोगो की उपस्थित होने का अनुमान है,

दिग्गज मज़दूर नेता से लेकर आम मजदूर उन्हे अपना मसीहा मानते हैं, साथ हीं १९७७ से वो आजिवन विधायक रहे, एक विधायक के रूप में उन्होंने झरिया के लोगों के विकास और उनके हित के लिए काम किया, हमेशा उन्होंने गरीबों और मजदूरों के हक़ के लिए आवाज़ उठाया,

आज हर जुवान पर कोयला मजदूरों के मसीहा की बात करे तो हर एक के मुंह में सूर्यदेव सिंह का नाम आता है, गरीब मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए वे हमेशा लड़ने वाले नेता थे, आज भी लाखों लोगों के दिलों में उनकी एक अलग छवि है।

एक किसान परिवार में जन्में सूर्यदेव सिंह मजदूरों के दिलों पर राज करने लगे थे। पिछले 33 वर्षों से उनकी पुण्यतिथि पर मजदूरों के लिए खास होता है ज़ब लोग उन्हें याद कर अश्रुपूरित आँखों से उन्हें याद करते हैं और श्रद्धांजलि देते हैं. हर वर्ष सैंकड़ों हजारों की संख्या में मजदूर व यूनियन के कार्यकर्ता 15 जून को उनके पुण्यतिथि पर याद कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए एक जगह जुटते हैं,

अपने ससुर के 33वी पुण्यतिथि को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह जनता श्रमिक संघ की महामंत्री रागिनी सिंह ने कोयलांचल की जनता से अपील की है की दिनांक 15 जून को कतरास मोड़ चौक स्थित स्वर्गीय सूर्यदेव सिंह के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देने का काम करे। साथ ही अपने क्षेत्र में पोधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में भागीदार बने।

बकरीद को लेकर 17 जून को सुबह 6:00 बजे से 18 जून सुबह 6:00 बजे तक कार्यरत रहेगा जिला नियंत्रण कक्ष

कोलफील्ड मिरर 15 जून (धनबाद): ईद-उल-जोहा (बकरीद) को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण व हर्षोल्लास के साथ संपन्न कराने के लिए जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री हृदीप पी जनार्दनन तथा अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) श्रीमती हेमा प्रसाद ने संयुक्त आदेश जारी कर जिले को 7 जोन में बांटा है।

सभी जोन में जोनल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी तथा सभी थाना व ओपी में पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी मौजूद रहेंगे। साथ ही विशेष निगरानी के लिए क्यूआरटी का गठन किया है।

ईद-उल-जोहा के अवसर पर जिले को कतरास, धनबाद, चिरकुंडा, तोपचांची, झरिया, गोविंदपुर एवं टुंडी ज़ोन में बाटा गया है। 17 जून को सुबह 6:00 बजे से 18 जून सुबह 6:00 बजे तक कार्यरत रहेगा जिला नियंत्रण कक्ष ईद-उल-जोहा के अवसर पर जिला नियंत्रण कक्ष 17 जून को सुबह 6:00 बजे से 18 जून की सुबह 6:00 बजे तक कार्यरत रहेगा।

अनुमंडल पदाधिकारी श्री उदय रजक जिला नियंत्रण कक्ष के संपूर्ण प्रभार में रहेंगे। जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या 2311217, 2311807, 112 व 100 है।

सभी थाना व ओपी में रहेंगे दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी धनबाद, बैंक मोड़, सरायढेला, धनसार, झरिया, जोरापोखर, सुदामडीह, पाथरडीह, तिसरा, सिंदरी, बलियापुर, केंदुआडीह, पुटकी, लोयाबाद, जोगता, कतरास, राजगंज, महुदा, मधुबन, बरोरा, तेतुलमारी, बाघमारा, तोपचांची, हरिहरपुर, बरवाअड्डा, गोविंदपुर, टुंडी, पुर्वी टुंडी, मनियाडीह, निरसा, चिरकुंडा थाना तथा भूली ओपी, घनुआडीह, बोर्रागढ़, भौंरा, लोदना, अलखडीहा, गौशाला, मुनिडीह, भागाबांध, अंगारपथरा, कपूरिया, रामकनाली, गोंदुडीह, खरखरी, ईस्ट बसुरिया, सोनारडीह, धर्माबांध, कालूबथान, कुमारधुबी, मैथन, गलफरबाड़ी, खरखरी, भाटडीह एवं पंचेत ओपी में पुलिस पदाधिकारियों के साथ साथ दंडाधिकारी मौजूद रहेंगे।

संयुक्त आदेश में अनुमंडल पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, साइबर थाना को सोशल मीडिया व विभिन्न तरह के व्हाट्सएप ग्रुप इत्यादि पर लगातार नजर रखने का भी निर्देश है। इसके अलावा साफ सफाई व स्वच्छता एवं निर्बाध रूप से विद्युत व पेयजल आपूर्ति करने का आदेश है।

मायुमं धनबाद कोयलांचल शाखा के रक्तदान शिविर में 43 यूनिट रक्त संग्रहित

झारखंड प्रांत के सहायक मंत्री विकास पटवारी को पुष्प गुच्छ और अंग वस्त्र देकर इनका अभिवादन किया गया। विकास पटवारी ने कहा समय-समय पर रक्तदान करे, लोगों की जिंदगियां बचाएं इससे बड़ा मानव सेवा पृथ्वी पर और नहीं। कहा

कोलफील्ड मिरर 15 जून (धनबाद): अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच धनबाद कोयलांचल शाखा द्वारा विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर राष्ट्र द्वारा रक्तदान के 15 दिवसीय कार्यक्रम के तहत श्रीनिवास ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन धनबाद भाजपा के जिला महामंत्री नितिन भट्ट और झारखंड प्रांत के पूर्व उपाध्यक्ष ललित अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि समाजसेवी प्रतिपाल सिंह, लक्ष्मीकांत चावड़ा, धनबाद बैंक मोड़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के महासचिव लोकेश पोद्दार, इस रक्तदान शिविर में पहली बार रक्तदान करने के लिये भी कई युवाओं ने बढ़ चढ़ कर के हिस्सा लिया जो मानव सेवा का एक सुखद संकेत है। शिविर में श्रीनिवाशन ब्लड बैंक की टीम ने भरपूर साथ दिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजक प्रिंस कथुरिया और ललित अग्रवाल अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, उपाध्यक्ष शिव शंकर चौधरी, सचिव सुनीता अग्रवाल, मंच सदस्य अंकित कथूरिया, संजय पटवारी, विष्णु भीमसरिया, राहुल मजरिया, चंद्रप्रकाश अग्रवाल ओर मंच के अन्य सदस्य समेत कई सामाजिक गणमान्य भी उपस्थित थे।

गायत्री कुमारी व परिजनों पर हमले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई होगी: एसपी

कोलफील्ड मिरर 15 जून (धनबाद): गोधर काली बस्ती निवासी गायत्री कुमारी एवं उनके परिजन के साथ भाजपा समर्थ को द्वारा की गई मारपीट मामले में उन पर कठोर से कठोर कार्रवाई सहित पीड़िता की सुरक्षा की मांग कांग्रेस ने पुलिस अधीक्षक नगर अजीत कुमार से की है। यह मांग कांग्रेस के धनबाद जिला अध्यक्ष संतोष सिंह प्रदेश सचिव वैभव सिंह ने संयुक्त रूप से शुक्रवार को अजीत कुमार के कार्यालय में वार्ता के दौरान यह बात कही। पुलिस अधीक्षक ने उन्हें आस्वस्थ किया इस मामले को पुलिस ने गंभीरता से लिया है और निश्चित तौर पर दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई होगी और पीड़ित परिवार को हर संभव सुरक्षा दी जाएगी। उन्होंने इस मामले की निष्पक्ष जांच का विभागीय आदेश भी जारी कर दी है। ज्ञात हो कि विगत दिनों गोधर काली बस्ती निवासी गायत्री कुमारी एवं उनके परिजन के साथ भाजपा समर्थकों ने मारपीट एवं जानलेवा हमला किया था। उल्लेखनीय है कि 4 फरवरी 2024 को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने काली बस्ती पहुंचकर गायत्री कुमारी के साथ बैठकर बातचीत की थी जिस कारण वहां के कुछ बीजेपी समर्थक कुपित चल रहे थे ऐसा बताया जाता है।

श्मशान घाट में डेथ बॉडी बर्निंग मशीन उपलब्ध कराने का आग्रह

कोलफील्ड मिरर 15 जून (धनबाद): पुटकी, जदयू धनबाद नगर अध्याक्ष धनलाल दुबे ने शुक्रवार को धनबाद उपायुक्त को पत्र लिख धनबाद के सभी मुक्तिधाम में (श्मशान घाट) में डेथ बॉडी बर्निंग मशीन उपलब्ध कराने की आग्रह की। नगर अध्याक्ष धनलाल दुबे ने अपने पत्र में लिखा है कि धनबाद में स्थित जितने भी मुक्ति धाम (श्मशान घाट) हैं किसी भी श्मशान घाट में डेथ बॉडी बर्निंग मशीन उपलब्ध नहीं हैं इस गंभीर विषय की जानकारी देते हुए आपसे आग्रह करते हुए धनबाद नगर जनता दल (यू०) यह कहना चाहती है कि धनबाद के कुछ मुक्तिधामों में जैसे मटकुरिया मुक्तिधाम, लिलौरी स्थान मुक्तिधाम, मोहलबनी मुक्ति धाम, तेलमच्चो मुक्तिधाम इत्यादि मुक्ति धामों में डेथ बॉडी वार्निंग मशीन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए जिससे मृत ब्यक्तियों के परिजनों को अंत्येष्टि करने में सुविधा हो सके।

माडा में अनुकंपा बहाली की मांग संबंधी ज्ञापन सांसद ढुलू महतो को सौंपा

कोलफील्ड मिरर 15 जून (धनबाद): झमाडा धनबाद के अनुकंपा आश्रित जन लगातार 842 दिनों से कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने धरना में बैठे हैं। इस सिलसिले में शुक्रवार को अनुकंपा आश्रितों का एक डेलिगेशन टीम धनबाद के नव निर्वाचित सांसद ढुलू महतो से मिलकर अनुकंपा बहाली का ज्ञापन सौंपा।

बताया की सांसद ने कहा है कि नगर विकास के प्रधान सचिव और संबंधित मंत्रालय से मिलकर नौकरी की दिशा में अहम पहल करूंगा ताकि आश्रित परिवार का भरण पोषण हो सके।

ज्ञापन सौंपने में मुख्य रूप से ऋषभ झा, प्रेमचंद कुमार, विक्की रावत, अनुज कुमार, विशाल कुमार, कुलदीप प्रमाणिक मंजरआलम, संजय राम दुलाल कोरंगा, मेहराबुल अंसारी, अवधेश सिंह संजय गुप्ता, अजहर खान, संजीत मंडल, आबिद अंसारी, विक्की कुमार राम, अजय कुमार वर्मा इंद्रजीत सिंह, रवि हाड़ी, अवध किशोर पासवान आदि शामिल थे।

अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य सभा ने आयोजित किया ब्लड डोनेशन कैंप

कोलफील्ड मिरर 15 जून (धनबाद): अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य सभा धनबाद जिला कमेटी ने शुक्रवार को वर्ल्ड ब्लड डोनर्स डे के उपलक्ष्य में उर्मिला टावर बैंक मोड़ में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन कंप्यूटर एसोसिएशन ऑफ धनबाद द्वारा किया गया। मौके पर पहुंचे मुख्य अतिथि राज सिन्हा ने कहा सर्वप्रथम मैं सब रक्तदाताओं का अभिनंदन करता हूं कि उन्होंने विश्व रक्त विश्व रक्तदान दिवस पर बहुमूल्य रक्तदान का बहुत ही महत्वपूर्ण काम किया है। रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है मानवता की सेवा के लिए कोई अगर रक्तदान करता है तो समझिए एक जिंदगी बचा रहा है। रक्त का कोई अल्टरनेटिव उपाय नहीं है कि कहीं बनता है। रक्तदान से ही लोगों को रक्त मिलेगा इसलिए रक्तदान सभी को करना चाहिए साथ ही यह स्वास्थ्य की दृष्टिकोण से लाभदायक भी है। संयोजक विशाल गुप्ता ने कहा अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य सभा कमेटी धनबाद और कंप्यूटर एसोसिएशन ऑफ धनबाद विभिन्न मौके पर धनबादवासियों के लिए सामाजिक दायित्व के तहत तत्परता से मानव सेवा कार्य करने के लिए मजबूती से एकजुट होकर खड़ा है इसी के मद्देनजर आज रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें वैश्य सभा और कंप्यूटर एसोसिएशन के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर 50 यूनिट जीवन रक्षक रक्त को एकत्रित कर आपातकालीन मरीजों के लिए कैंप में सेवा दे रहे एसएनएमएमसीएच रक्त विभाग के संबंधित कर्मचारियों को सोपा गया। सभी रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट का एप्रिशिएशन देकर सम्मानित किया गया। ब्लड डोनेशन कैंप में विशाल गुप्ता, शशि प्रकाश, कैलाश गुप्ता, गोपाल भट्टाचार्य संतोष सिंह, विकास गुप्ता, मुकेश कुमार गुप्ता, अभय कुमार सिन्हा, सुदेश कुमार भरत दत्ता सनातन विश्वास, मोहम्मद बारीक, डॉक्टर कामता प्रसाद संयुक्त अन्य सदस्य ब्लड डोनेशन कैंप में सक्रिय थे।

किसी राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन ने आज तक सुधि नहीं ली

कोलफील्ड मिरर 15 जून (धनबाद): पुटकी, महाराष्ट्र के ठाणे जिले के दोबिवली में केमिकल कंपनी के पिछले महीने बॉयलर विस्फोट में धनबाद जिले के पुटकी थाना क्षेत्र के गोपालिचक न० 3 के निवासी दिलीप दास के पुत्र मनीष कुमार दास की मृत्यु के उपरांत परिजनों को आर्थिक सहायता नहीं मिलने के चलते हिंदू रीति रिवाज के अनुसार अपने पुत्र का क्रियाकर्म नही कर पा रहे है। ऐसी विडंबना है कि लगभग 20-25 दिन बीतने के बाद भी ना किसी राजनीतिक दल के लोग और सामाजिक संगठन ने आज तक सुधि नहीं ली है और ना ही किसी तरह की आर्थिक मदद प्राप्त करवाई गई है।

इस मामले को मृतक के परिवार ग्रामीण एकता मंच से आर्थिक व मृत्यु प्रमाण पत्र व अन्य सहायता की गुहार लगाते हुए शुक्रवार को मदद माँगी गई है। बताते चले कि की ग्रामीण एकता मंच मृतक के शव की खोज से लेकर कंपनी जाने तक की खर्च मंच के अध्यक्ष रणजीत सिंह ने की और निरंतर परिवार के संपर्क में रह आर्थिक सहायता से लेकर मुवाबजा को लेकर सभी सरकारी दफ़्तर पर पत्र लिख सहायता की माँग की जा रही है।

इस मामले को लेकर ग्रामीण एकता मंच के अध्यक्ष (रंजीत सिंह उर्फ बबलू सिंह) ने बताया की झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री एवम् महाराष्ट्र सरकार के मुखमंत्री एवम् भारत के माननीय प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर पीड़ित परिवार के साथ उचित न्याय करने एवम् आर्थिक सहायता राशि देने की मांग की साथ ही परिवार की हर सहायता दिलवाने में मंच पूरा साथ है।

आतंकवाद की घृणित विचारधारा को करना होगा समूल नष्ट

जम्मू काश्मीर में एक साथ चार घटनाएं

कोलफील्ड मिरर 15 जून 2024: जम्मू काश्मीर फिर आतंकवाद की ज्वाला से धधक रहा है, कठुआ, हीरानगर ,डोडा में गंभीर आतंकवादी हमला हुआ जिसमें एक सेना का जवान शहीद हो गया। इसके अलावा आतंकवादियों द्वारा धार्मिक यात्रा से लौटते हुए रियासी नामक स्थान पर श्रद्धालुओं पर बेतहाशा गोलियां बरसाई गई बस के पलटने से 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। उधर इटली में खालिस्तानी समर्थकों द्वारा महात्मा गांधी की मूर्ति को खंडित किया गया जिसका अनावरण G7 समिट में शामिल होने जा रहे प्रधानमंत्री मोदी जी करने वाले थे। आतंकवाद ने न सिर्फ देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाक में दम करके रखा है। अब समय आ गया है कि आतंकवादियों को एक सिरे से कुचल दिया जाए और आतंकवादी विचारधारा को समूल नष्ट किया जाए।आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट,हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर -ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं ,यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे-धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण, नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं।

आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। विश्व में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 11 सितंबर 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास की सबसे क्रूर तम हमला माना जाता है। पाकिस्तान के पेशावर जिले में आर्मी स्कूल में 150 मासूम बच्चों की निर्मम हत्या भी एक क्रूर आतंकवादी घटना है। भारत में 1993 में मार्च में श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोट इसी तरह दिसंबर 2001 में संसद भवन पर हमलावाराणसी बम विस्फोट, अहमदाबाद में बम विस्फोट, 2008 में मुंबई ताज होटल पर हमला, 2016 में पठानकोट एयरबेस हमला, 2017 में अमरनाथ तीर्थयात्रियों हमला, 2019 में पुलवामा हमला आतंकवादी घटनाएं हैं जिससे मानवीय संवेदनाएं, शांति स्थापना की मूल धारणा की धज्जियां उड़ जाती है। भारत में तो नक्सलवाद भी आतंकवाद का एक वृहद रूप ले चुका है। आतंकवाद का सबसे भयानक रूप यह है की कोई भी देश यह नहीं जानता कि आतंकवाद का अगला निशाना कौन सा देश और कौन सी इमारत, रेलवे स्टेशन, वायुयान और कौन सा धार्मिक स्थल होगा। वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ असुरक्षा की भावना पूरी तरह व्याप्त हो चुकी है। आतंकवाद का सबसे विस्तृत और भयानक रूप अफगानिस्तान में सरकार का तख्तापलट का ही है। वहां तालिबानी आतंकवादियों द्वारा सरकार को गिरा कर अफगानिस्तान देश पर जाकर वहां शासन स्थापित कर लिया था, और पूरी दुनिया तमाशबीन बनी रही। रूस यूक्रेन युद्ध मैं भी लाखों लोगों की आक्रमण कर हिंसक हत्या तानाशाही तथा मानसिक आतंकवाद का ही एक भयानक रूप है। पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ भारत सहित अनेक कानून बनाए गए एवं उन पर अमल भी किया जा रहा है। पर आतंकवाद को समूल नष्ट करने के लिए आतंकवादी विचारधारा को ही समूल रूप से नष्ट करना होगा, क्योंकि आतंकवाद कोई तात्कालिक कारणों से पैदा नहीं होता,यह एक घिनौनी, हिंसक आतंक पैदा करने वाली विचारधारा है। अशांति की इस विचारधारा में जन समुदाय में रोश तथा खौफ पैदा कर दिया है और यह मानवता के लिए अभिशाप की तरह व्याप्त हो गया है। जिससे विश्वव्यापी वैश्विक शांति की अवधारणा को नष्ट कर दिया है। वैसे तो पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ प्रयास किए जा रहे हैं पर हर देश के हर नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि इस विचारधारा और इनकी गतिविधियों पर नजर रख इसे समूल नष्ट करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

संजीव ठाकुर
स्तंभकार, चिंतक
वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक लेखक
रायपुर छत्तीसगढ़

दागी हैं तो क्या हुआ? जनता ने चुना है!

कोलफील्ड मिरर 15 जून 2024: अठारहवीं लोकसभा में कुल 251 माननीय भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध के लिए आरोपित हैं गौर तलब बात यह है कि जिस तरह समाज में दिनोंदिन नैतिकता ईमानदारी कर्तव्यनिष्ठा परोपकार करुणा दया सत्यनिष्ठा सरलता सहजता सहयोग संवेदना का ह्रास हो रहा है कमोबेश राजनीति भी इस सबसे अछूती नही रही है अब मतदाता अपने जनप्रतिनिधि का चुनाव करते समय चरित्र ईमानदारी सज्जनता को वरीयता नहीं देता है वरन इसके ठीक विपरीत माफिया दबंग साधन सम्पन्न अपराध के लिए आरोपी को अपना प्रतिनिधि चुनने से कोई गुरेज नहीं कर रहे हैं। मतदाता हमारे लोकतंत्र को लेकर कितना जागरूक है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि चालीस फीसदी से अधिक मतदाताओं द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। यह देश की लोकतांत्रिक मूल्यों के पतन की ओर ईशारा करता है।

तपती गर्मी के बीच डेढ़ माह चले चुनावी अभियान में देश के मतदाताओं ने अपने लोकतांत्रिक दायित्वों का निर्वहन किस जिम्मेदारी से किया है यह देखने लायक बात है देश में 18वीं लोकसभा अस्तित्व में आ चुकी है। एक ओर जहां हम दुनिया में रिकॉर्ड संख्या में मतदाताओं वाले सबसे बड़े लोकतंत्र हैं वहीं हमारी संसद में हर संगीन अपराध को अंजाम देने के लिए आरोपित दागी नेता संसद सदस्य बतौर चुन कर पहुंच गए हैं आपको बता दें कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में पहुंचने वाले 543 सांसदों में 46 फीसदी आपराधिक रिकॉर्ड रखते हैं। यह स्थिति हर नागरिक के माथे पर चिंता की लकीर लाने वाली है। क्या इस स्थिति में देश की लोकतांत्रिक शुचिता की रक्षा हो पाएगी? क्या हम मूल्यों की शुचिता का पारदर्शी समाज बना पाएंगे? क्या ये दागदार कालांतर हमारी व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? इसी दिशा में चिंतन से सिर्फ चिंता ही बढ़ती है। चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मसलों का विश्लेषण करने वाली सचेतक संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानी ए.डी.आर. की ताजा रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2109 में चुने गये सांसदों में जहां 233 बानी 43 फीसदी ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने की बात स्वीकार की थी, वहीं 18वीं लोकसभा के लिये चुने गए 251 सांसदों ने आपराधिक मामले दर्ज होने की बात मानी है। जो कुल संख्या का 46 फीसदी बैठती है। फिलहाल देश के निचले सदन में आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले सांसदों की यह संख्या पिछले कई दशकों में सर्वाधिक है। वर्ष 2014 में यह संख्या 34 फीसदी, 2009 में 30 फीसदी और 2004 में 23 फीसदी थी। जनप्रतिनिधियों में दागियों की संख्या में उत्तरोतर वृद्धि होना हमारे लोकतंत्र की विसंगति को ही दर्शाता है। जाहिरा तौर पर इनका परोक्ष-अपरोक्ष प्रभाव लोकतंत्र की गुणवत्ता पर पड़ेगा। विडंबना यह है कि इस बार दागी 251 प्रतिनिधियों में से 170 के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

साल 2019 में कुल 233 नवनिर्वाचित सांसदों (43 फीसद) ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की थी, 2014 में 185 (34 फीसद), 2009 में 162 (30 फीसद) तथा 2004 में 125 (23 फीसद) ने आपराधिक मामलों की घोषणा की थी। नवनिर्वाचित हुए 251 सदस्यों में से 170 (31 फीसद) के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले हैं जिनमें दुष्कर्म, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले हैं। गंभीर अपराध के मामलों वाले सदस्यों की संख्या 2009 से 124 फीसद बढ़ गई है। इस बार चार उम्मीदवारों ने भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) की धारा 302 के तहत अपने ऊपर हत्या से संबंधित मामले दर्ज होने की जानकारी दी है और 27 ने आइपीसी की धारा 307 के तहत हत्या के प्रयास से संबंधित मामले दर्ज होने की घोषणा की है।

नवनिर्वाचित हुए 15 उम्मीदवारों ने अपने ऊपर महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित मामले घोषित किए हैं, जिनमें दो पर आइपीसी की धारा 376 के तहत बलात्कार का आरोप है। एडीआर के अनुसार, 18वीं लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में बरकरार भाजपा के 240 विजयी उम्मीदवारों में से 94 (39 फीसद) ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसके मुताबिक कांग्रेस के 99 विजयी उम्मीदवारों में से 49 (49 फीसद) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं और समाजवादी पार्टी के 37 उम्मीदवारों में से 21 (45 फीसद) ने अपने खिलाफ आपराधिक आरोप होने की जानकारी दी है।

तृणमूल कांग्रेस के 29 में से 13 (45 फीसद), द्रमुक के 22 में से 13 (59 फीसद), तेलगू देसम पार्टी के 16 में से आठ (50 फीसद) और शिवसेना के सात विजयी उम्मीदवारों में से पांच (71 फीसद) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं। विश्लेषण में पाया गया कि 63 (26 फीसद) भाजपा उम्मीदवार, 32 (32 फीसद) कांग्रेस उम्मीदवार और 17 (46 फीसद) समाजवादी पार्टी उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा अपने हलफनामों में की है।इसमें कहा गया है कि नवनिर्वाचित सदस्यों में से सात (24 फीसद) तृणमूल सदस्यों, छह (27 फीसद) द्रमुक उम्मीदवार, पांच (31 फीसद) तेलगू देसम पार्टी उम्मीदवार और चार (57 फीसद) शिवसेना उम्मीदवार गंभीर आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं।

सवाल यह है कि जब जनता ही अपराध के लिए आरोपियों को चुन कर संसद भेज रही है और सभी राजनीतिक दलों द्वारा अपराधी दबंग छवि वाले प्रत्याशियों को टिकट दिया जा रहा है तो कैसे संसद में दागियों के पहुंचने का द्वार बंद हो। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की सजग पहल के बाद ही वर्ष 2020 में निर्देश दिए गए थे कि सभी राजनीतिक दल लोकसभा व विधानसभा के उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करें। जाहिरा तौर पर इस आदेश का मकसद देश की राजनीति को आपराधिक छवि वाले नेताओं से मुक्त करना ही था। लेकिन वास्तव में ऐसा हुआ नहीं क्योंकि तमाम राजनीतिक दलों की प्राथमिकता जीतने वाले उम्मीदवार थे, अब चाहे उनका आपराधिक रिकॉर्ड ही क्यों न हो। ऐसा भी नहीं है कि दल विशेष ने ही अपराधी उम्मीदवारों को टिकट दिए हों। हर छोटे-बड़े राजनीतिक गियों की पर्याप्त संख्या रही है। जो राजनीतिक दलों की करनी के भारी अंतर को ही उजागर करता है। आखिर युवा व बच्चे अपने लोकतंत्र के प्रतिनिधियों के अनुकरण करेंगे? सवाल है कि देश के लिये नीति वाले ऐसे दागी लोग हमारे भाग्यविधाता बने रहेंगे तो देश का भविष्य कैसा होगा? क्या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले जनप्रतिनिधि चुने जाने के बाद हमारी कानून-व्यवस्था को नहीं करेंगे? क्या होगा हमारे समाज व व्यवस्था का ? क्यों तमाम आदशों की बात करने वाले और दूसरे दलों के नेताओं की कारगुजारियों पर सवाल उठाने वाले नेता राजनीति को अपराधियों के वर्चस्व से मुक्त कराने की ईमानदार पहल नहीं करते? क्यों सभी राजनीतिक दल भारतीय लोकतंत्र में शुचिता के लिये सहमति नहीं बनाते? निश्चित रूप से यदि समय रहते इस दिशा में कोई गंभीर पहल नहीं होती तो आने वाले वर्षों में दागियों का यह प्रतिशत लगातार बढ़ता ही जाएगा। इसके साथ ही बड़ा संकट यह भी है कि देश के निचले सदन में येन-केन-प्रकारेण करोडपति बने नेताओं का वर्चस्व बढ़ता ही जा रहा है। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स एडीआर, ने चुनाव लड़ते समय दाखिल किए गए नामांकन पत्रों के आधार पर सांसदों की संपत्ति की सूची तैयार की है। आंकड़ों के विश्लेषण से यह तथ्य भी सामने आया है कि चुनाव दर चुनाव संसद में अमीर सांसदों की संख्या बढ़ी है. एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार नवगठित 18वीं लोकसभा में 543 में से 504 यानी 93 प्रतिशत सांसद करोड़पति हैं. 2019 में 539 सांसदों में से 475 सांसद करोड़पति थे. यह कुल संख्या का 88वीं फीसदी था. 2014 में 542 में से 443 सांसद करोड़पति थे, यह कुल संख्या का 82 फीसदी था. 2009 के आंकड़ों से पता चलता है कि उस समय संसद में 58 फीसदी सांसद करोड़पति थे. यानी 543 में से 315 सांसद करोड़पति थे स्पष्ट है कि इस बार संसद में चुनकर आए सांसदों में 504 करोड़पति हैं। इन हालातों को देखते हुए यह कल्पना करना भी व्यर्थ है कि कोई योग्य ईमानदार गरीब आम आदमी संसद में माननीय सदस्य बन सकता है। उस के पैसा दबंग होना जैसी क्वालिटी नहीं है तो जनता भी नही चुनती है यह हमारे लोकतंत्र के भविष्य को आशंका से भर देता है।

मनोज कुमार अग्रवाल

लगातार हो रहे जम्मू संभाग में आतंकी हमले - पाकिस्तान पर उंगली उठना लाजमी

कोलफील्ड मिरर 15 जून 2024: बड़े दुःख की बात है कि जम्मू-कश्मीर के जम्मू संभाग में पिछले 72 घंटों के अंदर आतंकियों ने 3 अलग-अलग जगहों पर हमला किए। आतंकियों ने बुधवार रात कठुआ में सैन्य बलों पर हमला कर दिया। इस दौरान आतंकियों का मुकाबला करते हुए सीआरपीएफ का एक जवान शहीद हो गया। वहीं, सेना के पांच जवान और एक एसपीओ घायल है। इन आतंकियों ने कठुआ के एसएसपी अनायत चौधरी के साथ-साथ जम्मू-कठुआ रेंज के डीआईजी सुनील गुप्ता की गाड़ी पर भी हमला किया था। हालांकि वे बाल-बाल बच गए हैं।

इस बीच सूत्रों से पता चला है कि ये आतंकी पाकिस्तान से सांबा सेक्टर के जरिये घुसे थे और फिर कठुआ में ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दी। इस दौरान मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया। सूत्रों ने बताया कि कठुआ में मारे गए इस आतंकवादी के बैग से कुछ हैंड ग्रेनेड और भारतीय नोटों की गड्डियां मिली है। माना जा रहा है कि आतंकवादी कुछ घंटे पहले ही भारत में घुसे थे, लिहाज़ा उन्हें भारतीय नोटों की गड्डियां दी गई थी, जिससे अपना खर्चा चला सके। अनुमान के मुताबिक नोटों की संख्या लगभग ₹1 लाख हो सकती है।

सूत्र बताते है कि कल शाम कठुआ में हुए आतंकवादी हमले में दो पाकिस्तानी आतंकवादी शामिल थे। वे महज चार घंटे पहले ही सांबा सेक्टर के रास्ते भारत में घुसे थे और लगातार पैदल चलकर कठुआ पहुंचे थे। खुफिया एजेंसियों को पता चला है कि रास्ते में प्यास लगने पर इन आतंकियों एक गांव में पानी भी मांगा था।

उधर मीडिया सूत्रों के अनुसार, यह भी पता चला है कि डोडा के भदरवा में सेना पर हुई गोलीबारी के मामले में पाकिस्तान में बैठे आतंकी सरगना ने पिछले कई सालों से गायब रहे आतंकी संगठन कश्मीर टाइगर्स को जिम्मेदारी लेने के लिए कहा है। इसके बाद आतंकवादी संगठन लश्कर ए तैयबा और जैश ए मोहम्मद ने कश्मीर टाइगर्स के लेटरहेड पर बयान जारी करते हुए डोडा में हुए हमले की जिम्मेदारी कश्मीर टाइगर्स के नाम कर दी।

इस मामले की जांच में लगे खुफिया और सुरक्षा बलों के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पाकिस्तान ऐसे आतंकवादी संगठनों का नाम केवल अंतरराष्ट्रीय समुदायों की आंख में धूल झोंकने के लिए लेता है, जिससे उसके ऊपर कोई उंगली ना उठा सके। कश्मीर टाइगर्स नाम का यह आतंकवादी संगठन वास्तव में पाकिस्तान के आतंकवादियों का ही समूह है, जिसे केवल कश्मीर के नाम पर दिया गया है। सूत्र बताते बताते है कि पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी संगठन लगातार जम्मू में आतंकवादियों की घुसपैठ कर रहे हैं और इन आतंकवादियों को स्पष्ट तौर पर निर्देश दिए गए हैं कि भारत में घुसते ही उन्हें कत्लेआम मचाना शुरू कर देना है। ध्यान रहे कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार जिस दिन तीसरी बार शपथ ग्रहण कर रही थी, ठीक उसी दिन पाकिस्तान समर्थक आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट खोरासन प्रोविंस ने अपना मुखपत्र जारी किया था, जिसमें साफ तौर पर कहा गया था कि महमूद गजनवी की तर्ज पर भारतीय सम्राट पर लगातार हमले जारी रहेंगे। उसके बाद से पाकिस्तान के आतंकवादी समूह द्वारा लगातार हमले किए भी जा रहे हैं।

हाल ही में सरकार ने जम्मू कश्मीर ने डोडा हमले में शामिल चार आतंकियों के स्केच जारी किए हैं। इसके साथ ही इनकी गिरफ्तारी के लिए आवश्यक जानकारी देने के लिए 20 लाख रुपये के ईनाम का ऐलान किया है। साथ ही हर आतंकी की जानकारी देने के लिए पांच लाख रुपये के ईनाम का ऐलान किया है।

सबसे पहले नौ जून को जम्मू कश्मीर के रियासी में आतंकियों ने तीर्थयात्रियों की बस पर हमला किया था। ये हमला नौ जून की शाम तकरीबन 6:15 बजे के आसपास हुआ था। घात लगाकर बैठे आतंकियों ने बस पर फायरिंग की थी, जिसके बाद बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी थी। बस पर हमले करने वाले आतंकी पहाड़ी इलाके में छुपे हुए थे।

इसके बाद मंगलवार को जम्मू कश्मीर के कठुआ के एक गांव में आतंकी घुस आए थे। आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में अब तको दो आतंकियों को ढेर कर दिया गया। सर्च ऑपरेशन को और तेज कर दिया गया। कठुआ जिले के एक गांव में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षाबलों का ऑपरेशन शुरू हुआ था। इस जिले के हीरानगर सेक्टर के सैदा सुखल गांव पर मंगलवार शाम आतंकवादियों ने हमला किया था। सुरक्षाबलों के ऑपरेशन में सीआरपीएफ का एक जवान भी शहीद हुआ।

कठुआ में मंगलवार शाम को आतंकियों की गोलीबारी में जम्मू कश्मीर के डीआईजी रैंक और एसएसपी रैंक के दो अधिकारियों की कार भी जद में आ गई थी। इस हमले में ये अधिकारी बाल-बाल बच गए थे।इसके बाद जम्मू कश्मीर के कठुआ में भी आतंकियों ने हमला किया। ये तीन दिन में इस तरह का तीसरा हमला था। डोडा में आतंकियों ने सेना के अस्थाई ऑपरेटिंग बेस पर गोलीबारी की, जिसके बाद सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई थी।

डोडा के छत्रकला में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी में सेना के पांच जवान सहित कुल छह लोग घायल हुए। घायलों में एक स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) भी शामिल था। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था। कश्मीर टाइगर नाम के आतंकी ग्रुप ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी।इन आतंकी हमलों के बीच बुधवार को राजौरी के नौशेरा सेक्टर में दो आतंकियों को देखा गया था, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने यहां सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। साथ ही अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती भी की गई है।

गौरतलब है कि जम्मू और कश्मीर में अगले कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। इस विधानसभा चुनाव से पहले दहशतगर्द जम्मू-कश्मीर में खौफ फैलाना चाहते हैं। इसलिए आतंकियों ने ताबड़तोड़ हमले को अंजाम दिया है। खुफिया इनपुट के मुताबिक TRF का ऑफशूट हिट स्क्वाड जो फॉल्कन स्क्वाड के नाम से जाना जाता है, वो ऐसे हमलों को अंजाम दे रहा है। आतंकियों के इस गिरोह में विदेशी दहशतगर्द भी शामिल हैं। खुफिया एजेंसी सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान की शह पर जम्मू कश्मीर में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव की तैयारी को निशाना बनाने की नीयत से ये हमले किये जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव से जुड़े हलचल पर ISI की लगातार नजर है। खबर है कि इन हमलों की साजिश पाक अधिकृत कश्मीर (PoK) में रची गई थी।इसके अलावा हाल के दिनों में जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की लंबी-लंबी कतारें भी पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के सरगनाओं को खटक रही है। इसलिए ये तत्व घाटी में अमन के माहौल को किसी भी हालत में खत्म करना चाहते हैं।

भारत की खुफिया एजेंसी का मानना है आने वाले दिनों में जम्मू कश्मीर में और खास तौर पर जम्मू में इसी तरीके के आतंकी हमले को अंजाम दिया जा सकता है। नब्बे के दशक में एक दौर ऐसा था जब पाकिस्तान की ओर से अंतरराष्ट्रीय सीमा के रास्ते आतंकी घुसपैठ करवाई जाती थी। इस दौर में घुसपैठ के लिए सीमा पर लगी तारबंदी को काटना, नदी-नालों के जरिए घुसपैठ की कोशिशें होती रहीं। आतंकी इस दौर में कश्मीर घाटी को जाने के लिए कठुआ जिले के विभिन्न दरियाई रूट का इस्तेमाल करते जो उधमपुर और कठुआ जिले के पहाड़ों तक उनके लिए राह बनते थे। यहीं से आतंकी कश्मीर का रुख कर लेते थे।

इसके बाद पहाड़ी चोटियों पर पुलिस पोस्ट से लेकर वीडीजी को सक्रिय किया गया। पिछले ढाई दशक में पाकिस्तान ने कई पैंतरे बदले। घुसपैठ के बाद आईबी से सटे इलाकों में पुलिस और सैन्य पोस्टों पर आत्मघाटी हमलों का दौर शुरू किया। इसके बाद पाकिस्तान ने सुरंगों के जरिए घुसपैठ शुरू करवाई। सुरक्षा एजेंसियां जैसे जैसे आगे बढ़कर पाकिस्तान की नापाक कोशिशों का भंडाफोड़ करतीं है वैसे ही पाकिस्तान नई साजिश की तैयारी में जुट जाता है । हाल फिलहाल के वर्षों में स्लीपर सेल की मदद से ड्रोन ड्रॉपिंग और उससे पहले घुसपैठ और हथियार गिराने के बाद ट्रक के जरिए कश्मीर घाटी आतंकियों को पहुंचने के मामले भी सामने आ चुके हैं।

बेई नाले के नजदीक जहां आतंकी मौजूद थे, यह इलाका पहले भी आतंकी गतिविधियों के लिहाज से संवेदनशील रहा है। कुछ वर्ष पहले ही सुरक्षाबलों ने आतंकियों के एक नए मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था, जो इसी इलाके से आतंकियों को कश्मीर तक ट्रकों के जरिए ले जाता रहा। ऐसे में साफ है कि आतंकी कठुआ और सांबा जिले की सरहद से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा या इससे सटे नालों का इस्तेमाल घुसपैठ के लिए कर रहे हैं। हाल फिलहाल में लगातार इलाके में आतंकवादियों की बड़ी गतिविधियों ने साफ कर दिया है कि घुसपैठ के लिए आतंकियों के पास कोई खुफिया रास्ता लगातार खुला हुआ है, जिससे सुरक्षा एजेंसियां अनभिज्ञ चल रही हैं। यह आने वाले दिनों में भी चुनौती का सबब बन सकता है। एडीजीपी जम्मू आनंद जैन ने भी साफ किया है कि यह आतंकियों का हाल फिलहाल में घुसपैठ कर आया दल ही हो सकता है। बसंतगढ़ में दहशतगर्दों के साथ मुठभेड़ के बाद भी ऐसी ही जानकारी सामने आई थी।

अशोक भाटिया

कश्मीर घाटी के अलगाववादियों की घाटी के अलगाववादियों से पाक परस्ती

कोलफील्ड मिरर 15 जून 2024: आज जबकि काफी कुछ मात्रा में कश्मीर घाटी के माहौल में काफी कुछ बदलाव आया है तथा यहां की जनता अब सामान्य जिंदगी भी जी रही है। तब ऐसे में कठुआ में अचानक हुई गोलाबारी के कारण फिर से घाटी में दहशत फैल गई है यह देखकर घाटी के अलगाववादी नेता फारूक अब्दुल्ला एवं उमर अब्दुल्ला सहित महबूबा मुफ्ती ने एक बार फिर भारत सरकार द्वारा पाकिस्तान से बातचीत करने की बात कही है इनका कहना है कि बिना पाकिस्तान से बातचीत किए घाटी में शांति स्थापित नहीं की जा सकती है तब इस विषय में हम तो यही कहना चाहते हैं कि जो पाकिस्तान लगातार भारत में दहशत फैलाने के लिए अपने गुलाम कश्मीर में आतंकी शिविर चला कर एवं उनमें आतंक वादीयो को हर तरह से प्रशिक्षित कर फिर उन्हें भारत में भेज रहा है जिससे फिर भारत में स्थित कश्मीर घाटी में आतंक फैलाया जा सके कह सकते हैं कि, इस इलाके का माहौल हर तरह से खराब किया जा रहा है तब हमारे देश में स्थित कश्मीरी अलगाववादी बार-बार पाकिस्तान से बात करने की बात करते रहे हैं जिनमें मुख्य रूप से फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला है।कह सकते हैं कि यह खाते तो हमारे देश का अनाज है परंतु हमेशा बातचीत के दौरान उनके मुंह से पाकिस्तान पाकिस्तान ही अधिक निकलता है पाकिस्तान आज चाहे भारत से टूटा एक देश है परंतु आज वह भारत के प्रति दुश्मनी का भाव अधिक रखता है। कह सकते हैं कि जब-जब भारत में आतंकी घटनाएं होती है तब उन घटनाओं में हमेशा ही पाकिस्तान का ही हाथ सदा रहता है। उसकी सेना द्वारा प्रशिक्षित आतंकी हमेशा इंडिया में आकर एवं यहां आतंक का फैलाकर आतंकी वारदात करते रहते हैं एवं यह कोई आजकल की बात नहीं है यह आतंक का खुला खेल वर्षों से जारी है भारत हमेशा ही अपनी और से ऐसी वारदातों को रोकने का हर सम्भव प्रयास करता रहता है। फिर हमने आतंकियों को सबक सीखने के लिए हमारे देश की सबसे बहादुर सैना को यहां लगा रखा है जो उनके हर हमले का जवाब देती रहती है एवं विश्वास है कि आने वाले कल में घाटी से इन आतंकीयो के खून खैल को अवश्य ही समाप्त किया जा सकेगा। अतः आज जब ऐसे में सेना आतंकियों को समाप्त करने में लगी हुई है तब ऐसे में बहादुर सैना के हौसले बढ़ाने के बजाय सेना के हौसलों को कम करते हुए कांग्रेस पार्टी गठबंधन के अलगाववादी नेता जिस तरह से पाकिस्तान परस्ती की बात करते हुए आतंकियों का समर्थन करते हैं, पाकिस्तान से बात करने की बात कहते हैं तब हम सभी देश वासियों को बेहद दुख होता है क्योंकि पाकिस्तान से आज बात करना तो एक तरह से देश के नागरिको एवं देश की सैना के साथ गद्दारी करना ही कहलाएगा।

मनमोहन राजावतराज
शाजापुर

प्राचीन मंदिर के पुनर्निर्माण को लेकर प्राण प्रतिष्ठा व महायज्ञ का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 15 जून (रानीगंज): ईस्ट कॉलेज पाड़ा स्थित प्राचीन मंदिर के पुनर्निर्माण के उद्देश्य से श्री श्री आठ परिवार सहित राम दरबार प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जय मातादी स्पोर्टिंग क्लब की ओर से आयोजित इस महायज्ञ में आगामी 2 जुलाई से सात दिन तक विभिन्न भक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस महायज्ञ के आयोजन के लिए ईस्ट कॉलेज पाड़ा पूजा समिति परिसर में विशाल मंडप बनाया जा रहा है। इस दौरान शुक्रवार को रानीगंज बीएमओएच कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें रानीगंज के बीएमओएच सैकत दास के नेतृत्व में कई बड़े अधिकारी शामिल हुए। बैठक में जय मातादी स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष दिनेश कुमार गुप्ता, सचिव विकास कुमार साहू, रानीगंज बोरो चेयरमैन मुज़म्मिल शहजादा, 88 नंबर वार्ड पार्षद नेहा साव और तृणमूल के युवा नेता सौमित्र बनर्जी उपस्थित थे।

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य 2 से 9 जुलाई तक हनुमान मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर होने वाले कार्यक्रम के लिए अनुमति प्राप्त करना था। कार्यक्रम में यज्ञ का आयोजन होगा, हवन कुंड बनाए जाएंगे और विशाल पंडाल लगाया जाएगा। यह देखा गया कि आयोजन के लिए कुछ हिस्सा सरकारी अस्पताल परिसर में आएगा, इसलिए रानीगंज बीएमओएच से अनुमति लेने के लिए यह बैठक की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 9 जुलाई तक कार्यक्रम करने की अनुमति प्रदान की जाएगी और कार्यक्रम समाप्ति के बाद सभी अस्थाई निर्माण हटा लिए जाएंगे तथा जगह को साफ-सुथरा कर दिया जाएगा।

ना अन्याय सहेंगे ना करने देंगे- गोपाल शर्मा

आकाश शर्मा

कोलफील्ड मिरर 15 जून (जयपुर): सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने शुक्रवार को शुक्रवार को शास्त्री नगर क्षेत्र में पद मार्च किया और क्षेत्रीय समस्याएं जानीं। विधायक शर्मा ने भट्टा बस्ती के शबरी कानन पार्क से हाउसिंग बोर्ड रोड, सब्जीमंडी, खंडेलवाल कॉलेज होते हुए कांवटिया सर्किल तक जनजागृति यात्रा निकाली। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

शबरी कानन पार्क में जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि न अन्याय सहेंगे और न किसी को अन्याय करने देंगे। उन्होंने गुंडागर्दी, छेड़खानी और जबरन अतिक्रमण जैसे कारनामे करने वालों को सख्त लहजे में सुधर जाने की चेतावनी दी और विधि सम्मत शांतिपूर्ण तरीके से रहने एवं सद्भाव बरकरार रखने के लिए समझाइश की। विधायक शर्मा ने कहा कि पिछली सरकार की तुष्टिकरण की नीतियों एवं कुछ मंत्री और विधायकों के संरक्षण में समुदाय विशेष के कुछ लोगों की अराजकता बढ़ गई है। लोग डर के मारे घर बेचने लगे हैं। यह बेहद चिंताजनक है। भाजपा सरकार जयपुर को मिनी पाकिस्तान बनाने के मंसूबों को कामयाब नहीं होने देगी।

सरकार बदल गई है अब स्थिति भी बदलेगी

विधायक शर्मा ने कहा कि जयपुर का सर्व हिंदू समाज आज सजग और सतर्क है, हम जयपुर को मिनी पाकिस्तान नहीं बनने देंगे और 1992 के जैसे दंगों पुनरावृति की नहीं होने देंगे। समुदाय विशेष के लोगों ने सरकारी जमीनों पर कब्जे कर रखे हैं। उनकी हिम्मत इतनी बढ़ी हुई है कि कब्जे की जमीन पर करोड़ों रुपए के बहुमंजिला मकान बना रखे हैं। क्योंकि उन्हें लगता है कि कोई उनके खिलाफ कार्रवाई कर ही नहीं सकता। राज्य में सरकार बदल गई है अब स्थिति भी बदलेगी।

सुधर जाओ अन्यथा...

विधायक गोपाल शर्मा ने हुंकार भरते हुए अराजक तत्वों को चेताया कि सुधर जाओ अन्यथा मोदीजी और भजनलालजी की सरकार का डंडा सबको सुधार देगा। उन्होंने नशाखोरी, गुंडागर्दी और छेड़खानी जैसी घटनाओं से बाज आकर पढ़ाई - लिखाई और रोजगार पर ध्यान केंद्रित करने की नसीहत दी।

भाजपा सरकार बनने के बाद सुधर गए हालात

एक स्थानीय नागरिक ने विधायक गोपाल शर्मा को धन्यवाद देते हुए कहा कि शिवाजी पार्क में 4 साल से सफाई नहीं हो रही थी, लेकिन शर्मा के विधायक बनने के बाद नियमित सफाई होने लगी। इसी तरह, एक मंदिर में मांस के टुकड़े फेंके जाने के बाद जब शर्मा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की तो इस तरह की घटनाएं बंद हो गईं। भाजपा सरकार बनने के बाद हर विभाग में कार्यशैली बदली हुई नजर आने लगी है। लेकिन पुलिस के मामलों में स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है।

ये भी रहे उपस्थित

जन जागृति यात्रा में सिविल लाइंस विधानसभा के प्रभारी सोहन बड़ोदिया, शांति नगर के मंडल अध्यक्ष राकेश गुर्जर, भाजपा बनीपार्क मंडल महामंत्री निखिल वर्मा, पार्षद पवन शर्मा नटराज, पार्षद धीरज शर्मा, पार्षद राजेश कुमावत, संजय राजपुरोहित, आंचल अवाना, निजाम भाटी, फरहान, राकेश खंडेलवाल, मंडल महामंत्री सुरेश शर्मा, युवा महामंत्री प्रशांत राजौरिया, कालीचरण शर्मा,अनिल वर्मा, संजीव पंवार, अक्षय पंडित, मनोज रावत, विकास मीणा, वीरेंद्र सिंह सोलंकी, पवन सैनी, एडवोकेट दिनेश कुमावत, विजय भारद्वाज, पिंटू शर्मा, जीतू जाट, मनोज यादव, राहुल धानका समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन फोरलेन में अंडरपास की मांग को लेकर ग्रामीण हुए एकजुट

कोलफील्ड मिरर 15 जून (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के फौजदारी एवं सलेमपुर के बीच निर्माणाधीन फोरलेन सड़क में अंडरपास की मांग को लेकर ग्रामीणों ने शुक्रवार को धरना- प्रदर्शन किया।

उनका कहना था की यह महत्वपूर्ण सड़क झारखंड की सीमा से सलेमपुर होते हुए मधुबन दियारा आदि दर्जनों गांवों तक जाती है। हजारों लोग प्रतिदिन इसी सड़क से आते जाते रहते हैं। जो कृषि से जुड़े हुए है।वहीं धरनार्थियों का कहना था की इसके पूर्व हमलोगों के द्वारा भागलपुर में विभाग के उच्चाधिकारियों से मिलकर आवेदन देकर अंडर पुल निर्माण का मांग किया गया है, परन्तु अभी तक कोई सुनवाई नही हो सका है। शीघ्र हमारी मांगे पूरी नहीं होती है तो आंदोलन और धारदार किया जाएगा।

इस दौरान प्रदर्शन में जिला परिषद कैलाश यादव, मुखिया प्रतिनिधि घनश्याम दास, पंसस प्रतिनिधि सुभाष दास, ग्रामीण देवकुमार यादव, सुधांशु शेखर, चन्द्रशेखर यादव, सुदामा यादव, रामभजन यादव, राम अवतार यादव, दीपक यादव सहित भारी संख्या में पुरुष एवं महिला शामिल हुए।

मैं विश्वास दिलाता हूं कि आप गुरु का नाम-काम बढ़ाने में लगो तो आपकी घर गृहस्थी चलाने में, बाल बच्चों को संभालने में फिर दिक्कत नहीं आएगी

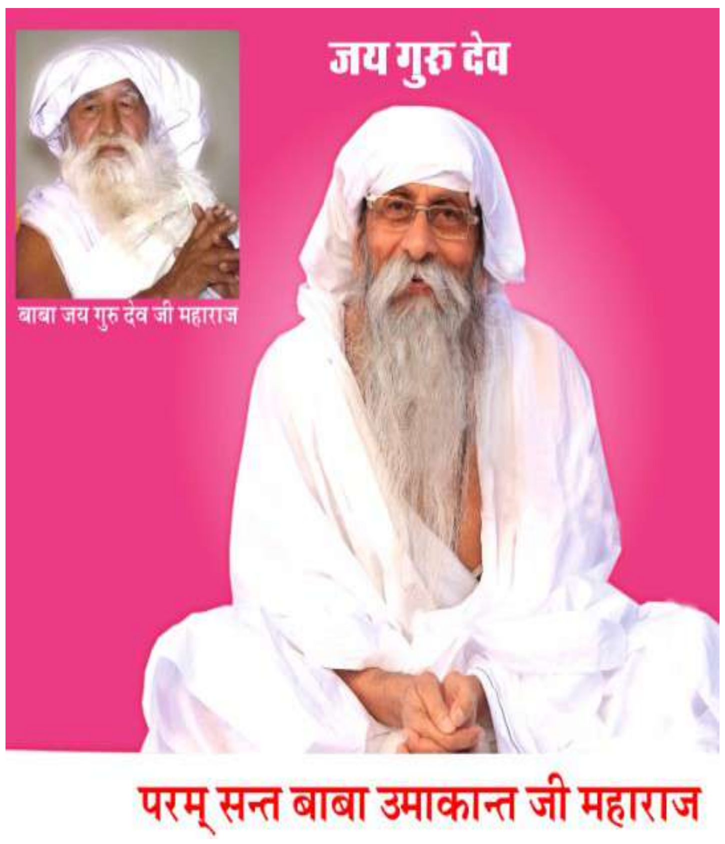

जो गुरु के आदेश का पालन करता है, गुरु उसकी मदद कर देते हैं, उसके कर्मों को नष्ट कर देते हैं

कोलफील्ड मिरर 15 जून (अहमदनगर/ महाराष्ट्र): निजधामवासी बाबा जयगुरुदेव जी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी, वक़्त गुरु, पूरे समरथ सन्त, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि देखो प्रेमियो! गुरु के काम को करने के लिए, गुरु के नाम और काम को बढ़ाने के लिए आप योजना बनाओ तो मैं यह विश्वास दिलाता हूं कि आपको कोई दिक्कत नहीं आएगी। चाहे गुरु के काम करने में और चाहे घर गृहस्थी चलाने में, चाहे बाल-बच्चों को संभालने में, फिर दिक्कत नहीं आएगी। अगर आप एक निशाना यह बनाओगे, हम अपनी और अपने परिवार की बुद्धि, सम्रद्धि, धन-दौलत के विकास के लिए इतना काम करते हैं, अगर गुरु के नाम और काम को बढ़ाने में हम कुछ करें तो इसमें आपको दिक्कत नहीं आएगी। जितना प्रेम कुटुंब से (परिवार से) उतना गुरु से होय, आप उतना ही प्रेम गुरु से कर लो, चाहे स्त्री हो चाहे पुरुष हो, हम अपने परिवार के लिए जितना समय देते हैं, उतना ही समय अगर हम गुरु के लिए देने लग जाए। प्रेम में ही तो समय देते हो, शरीर से, बच्चों से, धन-दौलत से, जानवरों से प्रेम है, तभी तो आप करते हो। जितना प्रेम गृहस्थी से आपको है, उतना गुरु से होय, कह कबीर ता दास का, पल्ला न पकड़े कोय। पल्ला यानी जैसे यह बच्चियां धोती पहनती है। अब कोई बच्ची अगर भाग रही हो और धोती का एक टुकड़ा अगर आप पकड़ लोगे तो इज्जत बचाने के लिए रुक जाएगी। तो पल्ला पकड़ लो तो रुक जाता है, उसको पकड़ने की जरूरत नहीं है। तो कहते हैं (गुरु प्रेमी का) पल्ला तक कोई नहीं पकड़ सकता है। गुरु राजी तो कर्ता राजी, काल कर्म की चले न बाजी। गुरु अगर राजी रहते हैं तो फिर काल-कर्म की बाजी (जोर) नहीं चलती है। एक साधे सब सधे, तो उनको क्यों नहीं राजी करते हो? गुरु महाराज के प्रेमी, नामदानी आप लोग बैठे हो। गुरु महाराज आपके लिए काम छोड़कर के गए। कह करके गए हैं कि लोगों को शाकाहारी नशा मुक्त बनाना, सतयुग में रहने लायक बनाना, सतयुग का प्रचार करना, भजन-ध्यान करना ताकि दुबारा इस दु:ख के संसार में नहीं आना पड़ेगा, तो आपको आदेश देकर के गए। इसी में तुम्हारा काम बन जाएगा। सब बातें तो बता कर गए। उन बातों को याद रखना चाहिए। जैसे टट्टी-पेशाब खाने-सोने का याद रहता है, ऐसे जरूरी बात यह भी है। इसको भी आपको याद रखना चाहिए।

समर्थ गुरु दया देने का माध्यम

जो गुरु के आदेश का पालन करता है, गुरु उसकी मदद कर देते हैं, उसके कर्मों को नष्ट कर देते हैं। जैसे पिता के आदेश से बच्चे ने सामान उठाया और हाथ में दर्द हो गया तो पिता क्या करते हैं? सामान भी उठकर वहां रख देते हैं और बच्चे को भी उठा कर ले जाते हैं, बिठाते हैं। और बच्चा कहता है कि हाथ में दर्द हो रहा है तो हाथ की मालिश भी कर देते हैं और दर्द भी दूर कर देते हैं। आदेश का पालन ही भक्ति होती है। मातृ-पितृभक्ति, गुरु-प्रभु भक्ति, भक्ति होती है। आदेश के पालन को ही भक्ति कहते हैं। गुरु कर्मों को कटवाते हैं। आदेश पालन से कर्म कटतें है। गुरु कर्मों को काटने का तरीका जानते हैं। इतिहास बता रहा है कि सौ जन्मों के कर्मों को एक घंटे के सपने में सन्तों ने कटवा दिया।

रक्तवीरों के टॉप 12 की सूची में बिनोद अग्रवाल को जगह मिली

कोलफील्ड मिरर 15 जून (धनबाद): झरिया, मारववाड़ी युवा मंच झरिया शाखा के लिए गर्व का दिन है कि राष्ट्रीय स्तर पर रक्तवीरों के टॉप 12 की सूची में झरिया शाखा पूर्व अध्यक्ष, सम्मेलन के पूर्व सचिव बिनोद अग्रवाल को जगह मिली है। विश्व रक्तदाता दिवस पर अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा रक्तदाताओं को सम्मान स्वरूप बैच प्रदान किया गया है। जो शाखा अध्यक्ष के पास पहुंच गई है।

विनोद अग्रवाल को विगत 30 मार्च को रांची में आयोजित झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के अधिवेशन में रक्तदान के क्षेत्र में विशेष योगदान के साथ- साथ 102 बार रक्तदान करने के लिए झारखंड युवा रत्न के पुरष्कार से सम्मानित किया गया। बिनोद अग्रवाल रक्तदान के क्षेत्र में विगत 18 वर्षों से निरंतर निश्वार्थ सेवा दे रहे हैं। इनकी लगन ही है कि आज रक्तदान के क्षेत्र में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ी है।

आज जब उन्हें रक्तदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है तो यह झरिया के लिए गर्व की बात है। सम्मान मिलने पर मारवाड़ी सम्मेलन झरिया अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष डॉ ओ पी अग्रवाल, मारवाड़ी युवा मंच झरिया शाखा अध्यक्ष अमित अग्रवाल, झरिया शाखा पूर्व अध्यक्ष सीमा अग्रवाला, अजय अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, अमित बाजोरिया, राजेश अग्रवाल, श्री अग्रसेन भवन के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, दिनेश शर्मा व समाज के अन्य गणमान्य जनों ने बधाई दी।

परिवार में शांति के लिए महिला ने किया 12 घंटे तक लगातार परिक्रमा

कोलफील्ड मिरर 15 जून (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के लकड़ाकोल शितला स्थान में आयोजित महाविष्णु यज्ञ के सातवें दिन यज्ञ मंडप की परिक्रमा के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ भीषण गर्मी के बावजूद उमड़ पड़ी। वही बरैनी निवासी बलराम सिन्हा की धर्म पत्नी स्वेता देवी पारिवारिक कलह की शान्ति के लिये सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक 12 घंटे लगातार बिना रुके भीषण गर्मी की परवाह किये बिना परिक्रमा करती रही। उन्हौने ने बताया कि आज तक जब भी उन पर विपत्ति पड़ी है केवल और केवल भगवान ने ही उनकी सहायता की है और इस बार भी उन्हें पूर्ण विश्वास है कि उनकी सहायता भगवान जरूर करेंगे और उनकी समस्या का समाधान होगा।

मामूली आंधी- बारिश ने खोली प्रशासनिक अधिकारियों की पोल

कोलफील्ड मिरर 15 जून (बराकर): हल्की सी हवा और बारिश ने प्रशासनिक अधिकारियों की पोल खोल दी। कुल्टी क्षेत्र का नजारा कुछ इस तरह सामने आया कि विभिन्न स्थानों पर बिजली के तार टूट गए, जिसके कारण पुलिस स्टेशन और पीएससी में बिजली गुल रही साथ ही तमाम जगहों पर अंधेरा छा गया।

इसी बीच, कुल्टी के सबसे बड़े अस्पताल प्रीमियर हेल्थ सेंटर, जिसे हम रानी बंगाल के नाम से जानते हैं, में भी चारों ओर अंधेरा छा गया था। जानकारी के अनुसार, अस्पताल में भर्ती तमाम पेशेंट्स को यह कहकर घर भेज दिया गया कि बिजली की समस्या है और आप यहाँ नहीं रह सकते। दुर्भाग्यपूर्ण यह था कि इस दौरान न जाने कितने इमरजेंसी पेशेंट्स अस्पताल में आए लेकिन बिजली न होने के कारण उन्हें भी घर भेज दिया गया।

अस्पताल में बच्चों और गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण की जो वैक्सीन होती है, उसे 2 से 8 डिग्री सेल्सियस तापमान में रखना होता है। लेकिन बिना बिजली के वैक्सीन की गुणवत्ता पर असर पड़ा। अस्पताल में जनरेटर होने के बावजूद जनरेटर चालू नहीं किया गया क्योंकि तेल की व्यवस्था नहीं थी।

सबसे चिंता की बात यह है कि पिछले 36 घंटों से अस्पताल में बिजली उपलब्ध नहीं है। इस दौरान अस्पताल प्रशासन की लापरवाही से कई मरीज़ों और उनके परिवारों को भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा है।

इस दुर्व्यवहार और लापरवाही के कारण 14 तारीख को बिना वैक्सीनेशन की जांच के तमाम बच्चों को वैक्सीन दे दी गई। मैंने अपनी पूरी पार्टी की तरफ से इस मामले की शिकायत बराकर थाना, डीएम, सीएमएस और बराकर हेल्थ सेंटर को दर्ज कराई है। हम मांग करते हैं कि इस मामले की गंभीरता से जांच की जाए और तब तक वैक्सीनेशन को रोका जाए।

इस मामले पर बात करते हुए पश्चिम बर्दवान यूथ कांग्रेस के वाइस प्रेसिडेंट रवि यादव ने कहा, "यह बहुत बड़ी घटना हो सकती है। बच्चों की वैक्सीन और उनकी लाइफ के साथ जिस तरीके से बराकर प्राइमरी हेल्थ सेंटर ने रवैया दिखाया है, वह निंदनीय है। इसके लिए एक कमेटी की गठन होनी चाहिए और इस पूरी घटना की जांच होनी चाहिए। हम उम्मीद करते हैं कि प्रशासन इसे गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाएगा। कुल्टी के तमाम लोग इस घटना से चिंतित हैं और प्रशासन से न्याय की उम्मीद कर रहे हैं।

झपटमारो ने महिला के गले से सोने का चैन छीना, जांच में जुटी पुलिस

कोलफील्ड मिरर 15 जून (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के ईशीपुर काली मंदिर के समीप से बाइक सवार दो झपटमारों के द्वारा गोड्डा जिला के वोरमा निवासी भवेश पोद्दार की पत्नी पुतुल देवी के गले से सोने की चैन झपट लेने का मामला प्रकाश में आया है।महिला द्वारा शोर मचाने पर लोगों ने बाइक से पीछा भी किया। लेकिन झपटमारों को पकड़ने में सफलता नहीं मिली। लोगों ने इसकी सूचना ईशीपुर थानाध्यक्ष रविशंकर को दी। सूचना पर ईशीपुर थाने के दारोगा विकास कुमार पुलिस बलों के साथ पहुंचे तथा घटना की छानबीन कर विस्तृत जानकारी ली। पुलिस ने काली स्थान में लगे सीसीटीवी की जांच भी की। पुलिस पीड़ित महिला एवं पीछा करने वाले युवकों से जानकारी लेकर छानबीन कर रही है।

योग शिक्षिका सुश्री इंदु सिंह अयोध्या में हुई राष्ट्रीय महर्षि पतंजलि योग रत्न सम्मान से सम्मानित

कोलफील्ड मिरर 15 जून (अयोध्या): अखिल भारतीय योग शिक्षक महासंघ एवं अखिल भारतीय योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन के द्वारा योग महाकुम्भ 2024 के अंतर्गत राष्ट्रीय योगवीर सम्मान का आयोजन 13-14 जून को श्रीरामलला की नगरी अयोध्या में किया गया। जिसमें आयुष प्रमाणित योग शिक्षिका व काया योग सेंटर की संचालिका सुश्री इंदु सिंह को राष्ट्रीय महर्षि पतजंलि योग रत्न सम्मान से सम्मानित गया। सुश्री इंदु सिंह नगर की जानी-मानी स्वतंत्र लेखिका, सक्रिय समाज सेविका, योग प्रशिक्षक होने के साथ-साथ विगत 6 वर्षों से काया योग संस्थान भी संचालित कर रही हैं। इसके पूर्व भी उन्हें लेखन, समाज सेवा व योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु विभिन्न राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। योग में उनके द्वारा पूर्व में अलग-अलग सामूहिक योगासन आयोजनों में उष्ट्रासन, पाद हस्तासन, नमस्कार मुद्रा में वीर भद्रासन, सूर्य नमस्कार आदि में वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाये जा चुके हैं। वे योग के क्षेत्र में सतत अभिनव प्रयोग व नवाचार करते हुए उसके अंतर्गत नवीन विधाओं का समावेश कर उसे विस्तार देती रहती है। फिट इंडिया की तर्ज पर फिट नरसिंहपुर अभियान को चलाने वाली सुश्री इंदु सिंह नगर की महिलाओं को आजीवन स्वस्थ बनाने के लिए संकल्पित और उनका प्रयास सराहनीय ही नहीं कल्याणकारी भी है।

ज्ञात हो कि सुश्री इंदु सिंह ने पतंजलि योगपीठ हरिद्वार जाकर सदी के महानतम योगगुरु स्वामी रामदेव जी से योग का विधिवत प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके अलावा उन्होंने अपने आपको योग की कला में पूर्ण रूप से पारंगत करने योग सर्टिफिकेशन बोर्ड व आयुष मंत्रालय के साथ-साथ स्किल इंडिया, शुभ योग फाउंडेशन व आरोग्यम आयुर्वेद और अन्य मान्यता प्राप्त संस्थानों से योग की विभिन्न विधाओं में प्रमाण पत्र हासिल किए हैं। योग में प्रशिक्षित होकर उन्होंने इसे जंन-सामान्य तक पहुंचाने व उन्हें निरोगी बनाने गर्ल्स-बॉयज होस्टल्स, सरकारी विद्यालयों, केंद्रीय जेल, सच्चिदानन्द आश्रम सहित कई निशुल्क योग शिविर भी लगाए और अभी भी समाज कल्याण के लिए वे ऐसे कार्य करती रहती हैं। अपने इस अनूठे कार्य के लिए उन्हें हाल ही में इंटरनेशनल ह्यूमन वर्ल्ड रिकॉर्ड, यूनाइटेड इंडिया नेशनल अवार्ड, नेशनल प्राइड अवार्ड, राष्ट्रीय शिक्षक गौरव सम्मान, प्राइड ऑफ इंडिया अवार्ड भी प्राप्त हुए हैं। प्रतिवर्ष योग, लेखन व समाजसेवा हेतु वे किसी न किसी संस्थान से सम्मानित की जाती है और अब तक अनगिनत अवार्ड हासिल कर चुकी हैं। अपनी इन सभी उपलब्धियों के लिए वे अपने योग गुरुदेव व सभी शिक्षकों सहित अपने परिजनों व योग संस्थान की मातृशक्तियों का आभार व्यक्त करती है जिनके सहयोग के बिना यहां तक पहुंचना सम्भव नहीं था।

अयोध्या में आयोजित योग महाकुंभ के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय योगवीर सम्मान 2204 में देश भर के अलग-अलग प्रान्त से आये योग प्रशिक्षक सामाजिक संस्थाओं और योग के लिए कार्य करने वालो को महर्षि पतंजलि योग रत्न सम्मान, स्वामी शिवानन्द सरस्वती योग शिरोमणि सम्मान, स्वामी धीरेंद्र ब्रम्हचारी योग श्री सम्मान, श्री अयंगर योग भूषण सम्मान, आदियोगी योग आइकन सम्मान, स्वामी विवेकानंद लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान जैसी विभिन्न श्रेणियों में सम्मान प्रदान किये गए। अखिल भारतीय योग शिक्षक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंगेश त्रिवेदी जी ने बताया यह कार्यक्रम राममय से योगमय सार्थकता के साथ अयोध्या के श्री राम ऑडिटोरियम में 13 व 14 जून को आयोजत किया गया। 13 जून को देश के विभिन्न हिस्सों से आये योगार्थीयों द्वारा योगासन स्पोर्ट चेम्पियनशिप हुई व 14 जून को योग सामाजिक कल्याण के लिए काम करने वाले योग में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले योगाचार्य प्रशिक्षकों का विभिन्न श्रेणियों में सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप्र के पूर्व उप मुख्यमंत्री व वर्तमान राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा जी, बाली इंडोनेशिया से आश्रम गांधी पूरी सेवाग्राम के अध्यक्ष पद्मश्री अगुस इन्द्र उदयन, वेद मूर्ति पवन दत्त महराज जी सहित अनेकानेक गणमान्य नागरिक व समस्त देश के हर प्रान्त से विशिष्ट योगगुरु उपस्थित रहें।

ओल्ड सेटेलमेंट शोलापुरी माता पूजा, आकर्षण का केंद्र बना कालाहांडी का कटप्पा

अमितेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 15 जून (खड़गपुर): पश्चिम मेदिनीपुर जिले के अंतर्गत खड़गपुर रेल नगरी में लोकसभा चुनाव के बाद जोर – शोर से लोगो द्वारा शोलापुरी माता पूजा का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को शहर के ओल्ड सेटेलमेंट स्थित शोलापूरी माता मंदिर में माता का आगमन होगा। इस वर्ष कमेटी द्वारा लोगो को आकर्षित करने के लिए ओडिशा से नृत्यकला दिखाने के लिए कालाहांडी के कटप्पा को बुलाया गया। जो आम जनता के साथ साथ बच्चों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बना। पूजा कमेटी के लोगो से बात करने पर बताया गया कि इस वर्ष लोकसभा चुनाव के कारण पूजा में विलंब हुआ है। शुक्रवार को माता का आगमन होगा और आने वाले दूसरे रविवार को माता का विसर्जन होगा। इस वर्ष हमने ओडिशा से सुनील महानंदा को बुलाया है। अपने नृत्य के साथ साथ बच्चों के मनोरंजन के लिए भी वे जाने जाते हैँ। सुनील ओडिशा समेत आंध्रप्रदेश और पश्चिम बंगाल में भी काफ़ी फेमस है। उनकी एक झलक पाने के लिए लोग खासकर युवा और बच्चे लालायित रहते हैं।

आदिवासी ग्राम सभा ने समष्टि विकास कार्यालय और भूमि सुधार कार्यालय में 6 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा

कोलफील्ड मिरर 15 जून (रानीगंज): जल, जमीन, जंगल के दावे को और मजबूत करने के लक्ष्य से खनन क्षेत्र रानीगंज में शुक्रवार को पारंपरिक आदिवासी ग्राम सभा के सदस्यों ने रानीगंज के समष्टि विकास कार्यालय और भूमि एवं भूमि सुधार कार्यालय में 6 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा।

इस मांगपत्र में खेल के मैदान, आईसीडीएस केंद्र के समीप की जमीन,तालाब के समीप की जमीन और आदिवासियों की श्रद्धा स्थली जाहेर थान के निर्माण के लिए जमीन की मांग शामिल थी।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि इस जमीन के पास एक आईसीडीएस केंद्र और एक खेल का मैदान है, जहां बच्चे फुटबॉल खेलते हैं। हरिपद मुर्मू द्वारा जमीन पर कब्जे के प्रयास के दौरान, बच्चों को गंदी-गंदी गालियां दी जाती हैं जब वे खेलते-खेलते गलती से बॉल उस जमीन पर पहुंचा देते हैं। गांव वालों के पास यह सबूत है कि यह जमीन सरकारी खास जमीन है। इसके अलावा,आदिवासी समुदाय ने पवित्र जाहेर थान के लिए पट्टा प्रदान करने और तालाब के किनारे पर अवैध अतिक्रमण रोकने जैसी कई मांगों के समर्थन में ज्ञापन सौंपा। अधिकारियों ने इनकी बातों को सुना और आश्वासन दिया कि इस पर कार्रवाई की जाएगी।

बीडीओ सुभदीप गोस्वामी ने बताया कि पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि जिस जमीन की बात की जा रही है वह पंचायत इलाके में है या नगर निगम इलाके में, क्योंकि यह सियारसोल का इलाका है। उन्होंने कहा कि किसी को भी खास जमीन पर कब्जा करने नहीं दिया जाएगा और यदि कोई ऐसा करता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वच्छ चिन्तन, स्वस्थ जीवन

कोलफील्ड मिरर 15 जून 2024: घर में कोई भी झाड़ू पोंछा तो सबसे पहले करते हैं क्योंकि घर कोई भी गंदा नहीं रखना चाहते हैं। झाड़ू पोंछा करते हुए पता चलता है कि एक ही दिन में कितनी गंदगी इकट्ठी हो गई है। इसी तरह हम जरा सोचें हमारी आत्मा का घर यानि 'अंतरपट्ट' पर भी तो रोज विषाक्त विचारों व भावनाओं की गन्दगी जमा होती ही रहती है। यह गन्दगी हमारे चिन्तन को भी तो दुषित करती है। इसकी भी तो रोज सफाई करनी आवश्यक है। हमारी दैनिक दिनचर्या का सीधा असर हमारे तन व मन पर पड़ता है यदि करना हमें अपने दूषित विचारों का परिँष्कार करना हैं तो ध्यान, जप, प्राणायाम, सद्साहित्य पठन, साधु संतों का मिलन आदि कारगर हो सकते हैं क्योंकि स्वच्छ चिन्तन से स्वस्थ जीवन होता है। जो महान होते है वे हर बात से शिक्षा लेते है, बच्चे को भी गुरु बना लेते है और जो अच्छी बात होती है उसे आत्मसात भी कर लेते है। सुकरात के पूर्वार्द्ध की घटना का उल्लेख और अचार्य महाप्रज्ञा जी के कथन याद आ जाते है कि - ज्ञात का जगत बहुत छोटा है अज्ञात का जगत बहुत बड़ा है और यह एक वाक्य कभी भी अहंकार को आने नही देता। गोत्र कर्म के बन्ध में 8 प्रकार के मद की चर्चा की गई है उसमे एक मद ज्ञान को, श्रुत को भी माना है। सुकरात के उत्तरार्द्ध को एक घटना प्रसंग सुनने को मिलता है, पता नही वास्तविक है या रूपक की भाषा मे पर बड़ा ही मार्मिक व्यक्त हुआ है। कहते है आकाशवाणी हुई कि सुकरात सबसे ज्ञानी व्यक्ति है। लोगो ने आकर सुकरात को बताया तो उसने कहा जाकर कह दो की सुकरात तो सबसे बड़ा अज्ञानी है। तो कहते है कि पुनः आकाशवाणी हुई की जो अपने अज्ञान को जानता है वही सबसे बड़ा ज्ञानी है। इस तरह श्रम-समर्पण, सेवा-मदद से परिपूर्ण मन, स्वस्थ-स्वच्छ तन, शुद्ध वातावरण, सहज मन और आनन्दित, नन्ही-छोटी बातों में न रहें अन-बन, विवेकशील हो, संतुष्ट हो, हाय-तौबा से दूर-आत्मतोष आदि का हो तो आत्मतोष होता है। इसलिये स्वच्छ चिन्तन, स्वस्थ जीवन होता हैं।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

क्या कभी तुमने कहा

क्या कभी तुमने कहा, प्यार हम करते हैं तुमसे।
ख्वाब हो हमारे तुम, चाहते हैं तुमको दिल से।।
क्या कभी तुमने कहा---------------------------।।

कभी तुमने यह नहीं कहा, आप हो नूर हमारे।
खुशी मिलती है आपसे, आप हो दिल के सितारे।।
जावो नहीं दूर हमसे, चाहते हैं तुमको दिल से।
क्या कभी तुमने कहा-------------------------।।

याद करके तुम कहो, खुशी कब दी है हमको।
कब हाल हमारा पूछा, कब दी है इज्जत हमको।।
नसीब आप हमारे हो, चाहते हैं तुमको दिल से।
क्या कभी तुमने कहा-------------------------।।

परदा यह हमसे कैसा, क्यों नहीं बताते सच हमें।
हमपे क्या शक है तुमको, क्यों नहीं छूने देते हमें।।
आप हो ताज हमारे, चाहते हैं तुमको दिल से।
क्या कभी तुमने कहा--------------------------।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

आंसुओं का पुल

सारे दिन नहीं होते एक से
अप्रत्याशित संदर्भों में
मेरे सपनों के साम्राज्य के भीतर
खुल गए हैं आंसुओं के बांध
यहां जो सैनिक है
करता है पूरे संकल्प के साथ युद्ध

जीत के लिए थोड़ी सांत्वना
कुछ कुशलता मिलकर
लड़ते हैं समय से
बहुत सी खुशियां खोकर
कई अंधेरे पाकर
शक्ति को साहस के साथ आगे
बढ़ाने से ही शुरू हुआ युद्ध

चांदनी देखने को आदी लोगों को
देखना पसंद नहीं आंसुओं को
मुश्किलों के उस पार
जीत बुलाती है
एक और शिखर पाने को कहती है
समय जो नहीं है अपना हमारा
हमें थपथपाता है
चिंताओं को निगलते हुए
हासिल की गई जीतों पर खड़े होकर
खुशियों को फहराना ही तो जिंदगी है
आंसुओं की बांध लांघकर
विश्वास को नींव बनाकर जीतना
हार हो या जीत
आगे बढ़ते रहना
मंजिल हासिल करना
पलों को चमकाते लक्ष्य ही
जीवन को चलाती है उजालों में

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)
कोलफील्ड मिरर

सुमन मोहिनी के काव्य संग्रह दिल ने कहा लोकार्पित व काव्य गोष्ठी आयोजित

कोलफील्ड मिरर 15 जून (नई दिल्ली): प्रसिद्ध साहित्यकार, लेखिका सुमन मोहिनी के काव्य संग्रह "दिल ने कहा" का लोकार्पण बड़े ही, हर्षोंउल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। राजधानी के विमान पत्तनम प्राधिकरण आफीसर्स इंस्टीट्यूट सफदरजंग हवाई अड्डा के सभागार में आयोजित समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रीय ख्यातिनाम साहित्यकार, कहानीकार डॉ.सविता चड्ढा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में लम्हे जिंदगी की संस्थापक डॉ. पूजा भारद्वाज और डॉ. सीमा पटेल उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की पूजन-अर्चन और वंदना से आरम्भ हुआ। तत्पश्चात अतिथियों ने सुमन मोहिनी जी के काव्य संग्रह दिल ने कहा का लोकार्पण किया। समारोह को संबोधित करते हुवे देश की प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. सविता चड्ढा ने "काव्य संग्रह दिल ने कहा" की मुक्त कंठ से सराहना करते हुवे कहा कि इस काव्य संग्रह में सुमन मोहिनी ने जो जिया है उसे ही लिखा है। रचनाएँ अद्वितीय और लाजवाब हैं। रचनाओं का चित्रण बहुत मार्मिक हैं। इनका सरोकार सीधे सीधे हकीकत से है। यह संग्रह सुंदर मन से निकले सुंदर अनुभव बयां करता संग्रह है और अपनी सरल भाषा और आकर्षक अभिव्यक्ति के कारण मील का पत्थर साबित होगा। मुख्य अतिथि डॉ. पूजा भारद्वाज ने कहा- संग्रह की रचयिता सलोनी जी ने पुस्तक को स्मृति शेष ननद को समर्पित किया है जो कि बहुत बड़ी बात है। यह ननद और भौजाई के सच्चे प्रेम का द्योतक है। आगे कहा- सच्ची में ननद भौजाई की सहेली होती है। सास के बाद ननद ही ससुराल में पथप्रदर्शक होती है। डॉ. सीमा पटेल ने सभी रचनाओं को एक से बढ़कर एक बेहतरीन बताया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का संचालन आलोक सिंह गुमशुदा एवं सह-संचालन सुमन मोहिनी सलोनी द्वारा किया गया। काव्य गोष्ठी में डॉ. सविता चड्ढा, डॉ. पूजा भारद्वाज, डॉ. सीमा पटेल, आलोक सिंह गुमशुदा', सुमन मोहिनी ' सलोनी ' सुभाष श्रीवास्तव, कामिनी मिश्रा, कंचन वार्षणे, रेखा बोरा, मोनिका अरोड़ा, निट्टू नैन, अजीत अनुराग, कृष्ण राघव, ऋषि मौर्य, जितेंद्र यादव चंबल, विवेक तिवारी, चेतना गौतम, स्वाति शर्मा, अर्चना चतुर्वेदी, सीमा कौशिक, गोल्डी, निशा ध्यानी, नीलम और सुनीता आदि ने अपनी सुमधुर रचनाओं, से श्रोताओं को आनंद विभोर कर दिया। गोष्ठी में विभिन्न राज्यों से आए साहित्यकार सर्व श्री उदयवीर सिंह, दिनेश सागर, कुसुम सागर, भूपेश सैनी, मंजुल मोहिनी, बृजेश शर्मा, इन्दु मोहिनी, जितेंद्र वर्मा, गुलाब सिंह, दीपाली सिंह, अरिंदम बनर्जी, भाग सिंह, प्रवेश, आदित्य सिंह, मुकुल वर्मा, आशी सिंह, दीपक राज, दीपक अरोड़ा, मुकेश तिवारी, शिवम्, बापन चौधरी, पवन मल्होत्रा, रागिनी, प्रीति, दक्ष पटेल आदि की उपस्थिति सराहनीय रही। काव्य पाठ के उपरांत सभी रचनाकारों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अंत में संस्थापक आलोक सिंह गुमशुदा और सह-सांस्थापिका सुमन मोहिनी सलोनी ने सभी आए हुए अतिथियों और साहित्यकारों के प्रति आभार व्यक्त किया।

डॉ. शंभू पंवार, (विश्व रिकार्ड धारक)
अंतर्राष्ट्रीय, लेखक, पत्रकार-विचारक

शाबाश सुनीता विलियम्स!

भारतीय मूल की बेटी अंतरिक्ष में पहुंचकर खुशी से झूम उठी, रच दिया इतिहास

भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष यान को उड़ाकर स्पेस स्टेशन पर पहुंचने वाली पहली महिला अंतरिक्ष यात्री बन गई है-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 15 जून (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर पर पूरी दुनियां में भारतीयों की बौद्धिक क्षमता का लोहा माना जाता है। यही कारण है कि आज हम पूरी दुनियां के विकसित से विकासशील देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियों को देखें तो उनके सीईओ मूल भारतीय ही होंगे। अभी हमने अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के पद के लिए लड़ने के क्रम में तीन मूल भारतीय उम्मीदवार थेजिनमें निक्की हेली अंतिम क्षण तक डटी रही। अनेक देशों के राजनीतिक प्रमुख भी मूल भारतीय ही है जिसमें ब्रिटेन प्रमुख है, व अमेरिका ब्रिटेन सहित कई देशों के संवैधानिक पदों पर व संसद सदस्य भी मूल भारतीय ही हैं जिससे हम सटीकता से कह सकते हैं कि जहां भारतीय का नाम जुड़ा वहां कुछ खास सफलता का झंडा गड़ना तय है। चूंकि अमेरिकी नागरिक भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष यान को उड़ाकर स्पेस स्टेशन पर पहुंचने वाली पहली महिला अंतरिक्ष यात्री बन गई है, जो खुशी से झूम उठी है और इतिहास रच दिया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, शाबाश सुनीता विलियम्स!

साथियों बात अगर हम अमेरिकी नागरिक भारतीय मूल की बेटी सुनीता विलियम्स के गुरुवार देर रात स्पेस स्टेशन में पहुंचने की करें तो, वह गुरुवार रात 11:03 बजे स्पेस स्टेशन पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने डांस करके अपनी खुशी जाहिर की। बोइंग के स्पेसक्राफ्ट से तीसरी बार अंतरिक्ष यात्रा पर गईं भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचते ही डांस करती नजर आईं। भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर का स्पेसक्राफ्ट लॉन्चिंग के 26 घंटे बाद गुरुवार रात 11:03 बजे स्पेस स्टेशन पहुंचा था। इसे गुरुवार रात 9:45 बजे पहुंचना था, लेकिन रिएक्शन कंट्रोल थ्रस्टर में आई परेशानी के कारण पहली कोशिश में यह डॉक नहीं कर पाया। हालांकि, दूसरे प्रयास में स्पेसक्राफ्ट को स्पेस स्टेशन से डॉक कराने में सफलता मिली।दोनों एस्ट्रोनॉट्स बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष में जाने वाले पहले एस्ट्रोनॉट बन गए हैं। बोइंग का स्टारलाइनर मिशन बुधवार 5 जून को भारतीय समयानुसार रात 8:22 बजे लॉन्च हुआ था। फ्लोरिडाके केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशनसे यूएलए के एटलस V रॉकेट से लॉन्च किया गया था।विल्मोर और विलियम्स स्टार लाइनर स्पेसक्राफ्ट और उसके सभी सिस्टम का टेस्ट करने के लिए करीब एक हफ्ते तक स्पेस स्टेशन में रहेंगे। बोइंग के स्पेसक्राफ्ट एसयूवी-स्टारलाइनर को डिजाइन करने में सुनीता ने भी मदद की थी। इसस्पेसक्राफ्ट में 7 क्रू सदस्य सवार हो सकते हैं। स्पेसक्राफ्ट बनने के बाद सुनीता विलियम्स ने ही इसका नाम कैलिप्सो रखा था।मिशन सफल हुआ तो नासा के पास पहली बार 2 स्पेसक्राफ्ट होंगे अभी अमेरिका के पास इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट ही है। नासा ने साल 2014 में स्पेसएक्स और बोइंग को स्पेसक्राफ्ट बनाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया था। स्पेसएक्स 4 साल पहले ही इसे बना चुकी है।सुनीता के आईएसएस पहुंचने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें उनके स्पेस स्टेशन पहुंचने पर एक घंटी बजती सुनाई देती है। दरअसल, ये आईएसएस की परंपरा है कि जब भी वहां कोई नया अंतरिक्ष यात्री पहुंचता है, तो बाकी एस्ट्रोनॉट्स घंटी बजाकर उसका स्वागत करते हैं।सुनीत विलियम्स ने आईएसएस के सदस्यों को अपना दूसरा परिवार बताया। उन्होंने कहा, आईएसएस मेरे लिए दूसरे घर जैसा है। साथ ही उन्होंने शानदार स्वागत के लिए सभी एस्ट्रोनॉट्स को धन्यवाद भी कहा।

साथियों बात अगर हम सुनीता के अंतरिक्ष में उड़ान भरने के अभियान की करें तो, सुनीता ने उड़ान भरने से पहले मिशन कंट्रोल को संदेश भेजकर कहा था-चलो चलते हैं, कैलिप्सो। हमें अंतरिक्ष ले चलो और वापस ले आओ।सुनीता की मां बोनी पांड्या ने एक मीडिया चैनल को बताया कि उड़ान भरने से कुछ घंटे पहले उनकी बेटी काफी सकारात्मक थी और अंतरिक्ष में उड़ान भरने को लेकर बहुत ही खुश थी। वहीं, नासा ने आज नया अपडेट देते हुए कहा कि सुनीता और बुच विलमोर दोनों कक्षा में स्टारलाइनरअंतरिक्ष यान पर शुरुआती परीक्षण करने में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। पहले छह घंटे बहुत ही दिलचस्प रहे हैं।सुनीता विलियम्स का स्टारलाइनर अभियान पांच जून को केप कैनावेरल अंतिक्ष स्टेशन से शरू हुआ। भारतीय समयानुसार यह अभियान रात आठ बजकर 22 मिनट पर शुरू हुआ। यह यान अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में छह जून रात 9 बजकर 45 मिनट पर पहुंचना था। ऐसा करने वाली दुनिया की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री बनीं। बताया गया है कि बोइंग स्टारलाइनर यान की उड़ान में कई बार, कई वजहों से दरी हुई। आखिरकार, फ्लोरिडा के केप कैनवेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से इस यान की रवानगी हुई। इस तरह के मिशन पर जाने वाली सुनीता विलियम्स दुनियां की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री बन गईं हैं। मई 1987 में सुनीता ने अमेरिका की नौसेना अकादमी से प्रशिक्षण लिया था। इसके बाद वे अमेरिका की नौसेना से जुड़ीं थीं। 1998 में उन्हें नासा द्वाराअंतरिक्ष यात्री के रूप में चुना गया था। इससे पहले वर्ष 2006

और वर्ष 2012 में सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष अभियानों का हिस्सा बन चुकीं हैं। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स तीसरी बार अपने सहयोगी बैरी बुच विलियम्स के साथ अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई थी।

साथियों बात अगर हम सुनीता विलियम्स के इतिहास रचने की करें तो, भारतीय मूलकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स बुधवार को एक अन्य सहकर्मी के साथ तीसरी बार अंतरिक्ष के लिए रवाना हुईं थी। इसके साथ ही दोनों ने बोइंग कंपनी के स्टारलाइनर यान से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले पहले सदस्य बनकर इतिहास रच दिया। विलियम्स और बुच विल्मोर को लेकर बोइंग का क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशनकई बार के विलंब के बाद फ्लोरिडा के 'केप कैनवेरल स्पेस फोर्स स्टेशन' से रवाना हुआ।वर्ष 2012 में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा के दौरान विलियम्स अंतरिक्ष में ट्रायथलॉन' पूरा करने वाली पहली व्यक्ति बनी थीं। विलियम्स मई 1987 में अमेरिकी नौसैन्य अकादमी से प्रशिक्षण लेने के बाद अमेरिकी नौसेना से जुड़ी थीं, और वह दो अंतरिक्ष अभियानों-2006 में अभियान 14/15 तथा 2012 में 32/33 अभियानों का हिस्सा बनीं। उन्होंने अभियान -32 में फ्लाइट इंजीनियर और फिर अभियान-33 की कमांडर के रूप में काम किया। अंतरिक्ष यान के विकास में असफलताओं के कारण बोइंग के क्रू फ़्लाइट टेस्ट मिशन में कई वर्षों की देरी हुई । यान बृहस्पतिवार को अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचा।वे अंतरिक्ष में घूमती प्रयोगशाला में एक सप्ताह से अधिक समय बिताएंगे और इसके बाद 14 जून को वापसी के लिए पश्चिमी अमेरिका के एक दूरस्थ रेगिस्तान में उतरने के वास्ते स्टारलाइनर यान में फिर से सवार होंगे।

साथियों बात कर हम बात अगर हम स्टारलाइन का पृथ्वी से स्पेस स्टेशन और वापस पृथ्वी पर आने का सफर जाननें की करें तो, एटलस V रॉकेट लॉन्च हुआ। 15 मिनट बाद इसने स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट को रिलीज किया। स्पेसक्राफ्ट के इंजन फायर हुए और ये स्पेस स्टेशन की लगभग 24 घंटे की यात्रा के लिए कक्षा में स्थापित हो गया।स्टारलाइनर हार्मनी मॉड्यूल के आगे वाले पोर्ट पर डॉक हुआ। अपने स्टे के दौरान क्रू स्टारलाइनर के अंदर जाएगा, हैच बंद करेगा और दिखाएगा कि भविष्य में मलबे के साथ टकराव के रिस्क जैसी स्थिति में स्पेसक्राफ्ट सुरक्षित आश्रय के रूप में काम कर सकता है।विल्मोर और विलियम्स पृथ्वी पर लौटने से पहले लगभग एक हफ्ते तक एक्सपेडिशन 71 क्रू के साथ रहेंगे और काम करेंगे। अनडॉकिंग के बाद,स्टारलाइनर के मैनुअल पायलटिंग का आकलन होगा। चालक दल अनडॉकिंग से लेकर लैंडिंग तक करीब 6 घंटे बिताएगा।पृथ्वी के वायुमंडल में रीएंट्री के दौरान,स्पेसक्राफ्ट 28,000 केएम/घंटे की गति से धीमा होना शुरू होजाएगा। इस दौरान क्रू 3.5 जी तक भार महसूस कर सकता हैरीएंट्री के बाद पैराशूट सिस्टम की सुरक्षा के लिए स्पेसक्राफ्ट की आगे लगी हीट शील्ड को हटा दिया जाएगा।दो ड्रैग और तीन मुख्य पैराशूट स्टारलाइनर की गति को और धीमा कर देंगे। बेस हीट शील्ड डुअल एयरबैग सिस्टम को एक्सपोज करते हुए डिप्लॉय हो जाएगी। 6 प्राइमरी एयरबैग कैप्सूल के बेस पर डिप्लॉय होंगे। ये लैंडिंग के दौरान कुशन की तरह काम करेंगी। लैंडिंग के दौरान स्पेसक्राफ्ट की गति करीब 6 किलोमीटर प्रति घंटे की होगी। संभावित लैंडिंग स्थानों में एरिजोना का विलकॉक्स और यूटा का डगवे प्रोविंग ग्राउंड शामिल है। कैलिफोर्निया में एडवर्ड्स एयरफोर्स बेस एक इमरजेंसी लैंडिंग साइट के रूप में उपलब्ध है।टचडाउन के बाद, चालक दल पैराशूट हटाएगा, स्पेसक्राफ्ट की बिजली बंद करेगा और मिशन कंट्रोल लैंडिंग और रिकवरी टीमों से सैटेलाइट फोन कॉल के जरिए संपर्क करेगा। रिकवरी टीम स्टारलाइनर के चारों ओर एक टेंट लगाएगी और स्पेसक्राफ्ट में ठंडी हवा पंप करेगी।स्टारलाइनर का हैच खुलने और, लैंडिंग के एक घंटे से भी कम समय बीतने के बाद, दोनों एस्ट्रोनॉट्स हेल्थ चेक के लिए मेडिकल व्हीकल में जाएंगे। फिर नासा के विमान तक पहुंचने के लिए हेलिकॉप्टर में उड़ान भरेंगे। ये विमान उन्हें ह्यूस्टन के एलिंगटन फील्ड लेकर जाएगा। लैंडिंग और सक्सेसफुल रिकवरी के बाद, नासा स्पेस स्टेशन पर मिशनों के लिए एक ऑपरेशनल क्रू सिस्टम के रूप में स्पेसक्राफ्ट को सर्टिफाई करने का काम पूरा करेगा। सर्टिफिकेशन के बाद मिशन्स की शुरुआत 2025 में होने की उम्मीद है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शाबाश सुनीता विलियम्सभारतीय मूल की बेटी अंतरिक्ष में पहुंचकर खुशी से झूम उठी रच दिया इतिहास। भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष यान को उड़ाकर स्पेस स्टेशन पर पहुंचने वाली पहली महिला अंतरिक्ष यात्री बन गई है।

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकर एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

भगवतिया के जीवन की पहली खुशी

कोलफील्ड मिरर 15 जून 2024: प्रातःकाल का समय था सूरज अपनी सुनहरी किरणों का जाल धरती पर बिछा अंधकार को विदा कर चुका था। दिसंबर का महिना लगते ही गुलाबी ठंड शुरू हो चुकी थी। जगतनारायण के घर आज चहलपहल जायदा ही थी ओर सभी लोग खुशी ओर उत्साह से भरे थे ओर कुछेक लोग बड़े लोटा में कोयला की अंगार से गरम हुये लोटा से कपड़ों में प्रेसकर रहे थे ओर कुछ नहाने, सँवरने, नास्ता कर खुद को ज्यादा व्यस्त दिखाने में लगे थे। गौरा बुआ की कमान पूरे घर पर थी जिससे सरस्वती बुआ, हीरो बुआ कल्लो बुआ, शांति बुआ ईर्षा करती थी पर दिखावे के लिए चेहरे पर मुस्कान लिए दिल की कटुता को छिपाते उनके हर निर्णय को मानने को विवश थी। बड़ी अम्मा, मझले कक्का ओर काकी का रुआब भी कम नही था जिनकी बातें काटने का साहस जगतनारायण या परिवार मे किसी को नही था, इसलिए उनका भय ओर आदर ज्यादा ही था।

बड़े बेटे की शादी थी ओर शाम को बारात जानी थी जिसकी तैयारी सुबह से शुरू हो गई। दिसम्बर का महिना चल रहा है गुलाबी ठंड ने पैर पसार लिए है। घर मेहमानों से भरा है तथा सभी अच्छे नये कपड़ों में सजे हुये है ओर काम में व्यस्त है। बच्चे शोर कर रहे है सुबह के 10 बज रहे है ओर सजावट शुरू नही हुई। बुआए ओर मौसिया हल्दी तेल की तैयारी कर रही थी तो कोई गले में खनवारी पहन रही थी तो कोई पैरो में चाँदी के कड़े, तोड़े, तो कोई कानों में दो लड़ी के झुमके,कोई कमर में करधोना पहने थी घर के बाहरी दरवाजे के पास एक बांस गढ़ा कर मंडप छाया था जहा दूल्हे को सजने ओर हल्दी लगने की रश्म पूरी की जा रही थी। घर की दालान-बाड़े सहित गली में लकड़िया खड़ी कर दी ताकि उसमें झंडिया सजाई जा सके। दोनों बड़े जीजा कागज के रंगबिरंगे ताब को झंडी की शक्ल देकर केची से काट रहे थे लक्ष्मी भैया आटे को आग पर खदका कर झंडियो पर लगा रहे थे ओर घर के छोटे बच्चे उन झंडियो को सुतली की डोर तक ले जा रहे थे ओर नन्हें मामा, राजाराम उन झंडियो को बच्चो से लेकर सुतली पर नीली के बाद पीली, हरी, लाल, सफ़ेद गुलाबी झंडी के क्रम में लगा रहे थे ओर एक ओर घर के दरवाजे, खिड्कियों,ओर ओलमाती के पास लगा रहे थे। सुतली में झंडी लगाने के बाद पूरे घर- आँगन ओर गली में लकड़ियों पर टांग दी गई। घर के बाहर द्वार पर दो खुटिया जिसमें शादी के शगुन की मटकिया उल्टी कर लगाई गई थी।

शाम को रघुवर नाई ने दूल्हे राज को नहलाया ओर विजयसेन देवी के चबूतरे ओर ले जाकर पूजा-पाठ होम करवाकर मंडप के नीचे एक कुर्सी पर बिठाल दिया। तब तक मन्नू बसोड़ ओर उसका बेटा बसंत डफला लेकर आये ओर दूल्हा सजते ही बजाना शुरू कर दिया। घर के जम्हाई काशीराम, रवि ओर गोपाल ने दूल्हा राज को कपड़े पहनकर सजाया ओर सभी फूफाओं ओर बुजुर्गों के बताए अनुसार दूल्हा को वाघा बांध छींदे का लिबासनुमा मुकुट पहनाया। सभी बहनों -बुआओं और मौसियों ने मीठे चावल खिलाये फिर दूल्हे ने घर के सभी बुजुर्गों के साथ बहनों के पाँव छूए और दूल्हा द्वार पर था जहां सभी रस्म अदायगी के साथ माँ के आँचल का स्नेह पा माँ के दूध की लाज रखने का विश्वास दिला कन्याओं के पैर छूकर उन्हे भेंट दे पूरे जोश खरोश से निकला और नाते-रिश्तेदारों के साथ बारात काली मंदिर पहुंची। जहां पूजा पाठ कर हरदौल लाला को पान -बताशे की भेंट देकर बारात रवाना हुई।

राज के ताऊ का बड़ा बेटा जिस ट्रक का ड्राइवर था उसी से बारात बाबई के पास फारम से कुछ फ्लांग दूर गांव पहुंची जहां बारात का जनमासा था। जब सभी बाराती आए तब तक रात के आठ बज गए थे। तब गाँव में अंधेरा फैला देख बाराती अपने साथ गैसबत्ती ले गए ओर जल्द से गैसबत्ती में हवाभरकर मेंथल को माचिस की तीली दिखाई तो बह प्रकाशित हो गया। जहा बारात रुकी थी वहाँ एक छोटा सा हनुमान जी का मंदिर था ओर चारों ओर बागड़ थी ओर लोगों के बाड़े थे जिसमें कुछ खपरैल मकान थे जिसमे ढ़ोर -डंगर बंधे थे जिसे गाँववाले सार कहते थे। इन बाड़ों में अधिकांश या तो कंडे थोपने के सारे थे जहा कंडे थोपकर सूखने पड़े थे ओर पास ही कंडो का बिटोरा था। एक भी बाड़ा एसा नही दिखा जिसमें गास के चारे की ऊंची ऊंची गंजी न हो हो, प्रत्येक बाड़े वाले ने अपने बाड़े में गोबर की गुबार बना रखी थे जिसमें वे गोबर एकत्र करते ओर उसे खाद के रूप में खेतों में इस्तेमाल करते। गाँव के कुछ एक कोने में कचरे के घूरे थे जहा आसपास के घरों के कचरा डलता था। गाँव के अधिकांश व्यक्ति खेतों के मालिक थे और खेती करते थे। ग्वाल मोहल्ले के बाजू में गोंड मोहल्ला था और उसके बाद कुछ दूसरी जाती के लोग रहते थे। बारातियों ने गाँव धूमधाम से ढपली के साथ बारात निकाली जो घूमकर उसी हनुमान मंदिर जहां जनवासा दिया था उसके बाजू के घर में लगी।

बारात लगने के दौरान लड़की पक्ष की कई महिलाए गले में सोने का हार पहनकर शोभा बढ़ा रही थी तो कुछेक युवतिया जो दुल्हन की सहेली या रिश्तेदार थी वे दमकते हुये नकली हीरे का हार पहने थी जिन्हे देख बारात के कई युवा बाजा बजा रहे मन्नू दादा से फिल्मी गाने के धुन में बजाने को कहते तो कोई शेरनृत्य के लिए ताकि नाच करने वाले अपना नाच के धमक यहा छोड़ जाये। यह अलग बात थी की कुछेक बूढ़े उन्हे रोक रहे थे लेकिन वे नही सुन रहे थे ओर उनसे कह रहे थे की शादी बार बार थोड़े होती है, ओर उनका नाचना जारी था तब तक दूल्हे को घोड़ी से उतरकर अगवानी की रश्मे पूरी हो चुकी थी ओर सभी को पंगत पर खाने के लिए बैठना था। मंडप में दूल्हा ओर बाराती बैठे जहा पत्तल परसने के बाद कन्यादान की रश्म हुई बाद में पंचो ओर दोनों पक्षों के बुजुर्गों ने खड़े होकर जेउ पंचों कहा ओर भोजन ग्रहण किया गया। रीति रिवाज से 2 दिन रुकने के बाद बारात दुल्हन लीला को लेकर होशंगाबाद लौटी जिसे देख लीला के सास भगवतिया अपने भाग्य की सराहना कर अगवानी कर खुश थी।

बड़े बेटे की शादी बाबई के पास फारम गाँव में करके भगवतिया बाई बहुत खुश थी ओर अपनी बहू लीला को अपने सर आंखो पर बिठाकर इतराती थी। मोहल्ले में सभी इस नई बहू के आने पर भगवतिया के घर आते ओर बहू को देखकर आशीर्वाद देते तो कई उसके भाग्य पर ईर्ष्या भी करते। उसकी खुशी का ठिकाना तब दुगुना हो गया जब शादी के बाद बेटे को सरकारी नौकरी मिल गई। बहू के आन के बाद भगवतिया खुश थी कि घर की गायों को चारा लेने से लेकर बहू उसके सभी कामों में हाथ बटायेगी। घर से एक किलोमीटर दूर ही नर्सरी थी जहा खेत में मेढ़ों पर फ़ेल आए चारा ओर फसलों के बीच निदाई द्वारा चारा ले जाने के लिए किसी को मनाही नही थी ओर कोई भी बिना पैसा दिये जितना चाहे उतना चारा काटकर ले आता। भगवतिया की बड़ी बेटी का विवाह होने के बाद वह अकेली हो गई थी ओर अन्य छोटे बच्चे इस मासूम, नासमझ थे की उनसे कोई भारी काम लिया जाये लेकिन बड़ी बहू लीला को चारा लेने ले जाना भगवतिया को अच्छा नही लगा ओर लोकलाजवश कोई उसे ताना न दे इसलिए उसने अपनी छोटी बेटी मुनिया को इस काम में लगा रखा था ओर वह सभी कामों में दक्ष हो गई थी, हालांकि यह बात अलग है की बड़ी बहू भी किसान की बेटी थी ओर वह यह सब काम करना जानती थी लेकिन ससुराल में उसे यह काम करने की बजाय अपने पति के साथ नौकरी पर रहना पसंद था पर सास के सामने वह अपनी इक्छा रख नही सकती थी।

दिन हसी खुशी से गुजर रहे थे की भगवतिया के छोटी बेटी मुनिया का विवाह भी उसी गाँव में हो गया जहां बहू का मायका था। बहू लीला इस संबंध से खुश थी ओर पूरा गाँव हिलमिलकर एकजुट होकर रहता ओर एक दूसरे के सुखदुख में सभी सहभागी होते थे। बड़े बेटे ने सरकारी नौकरी ज्वाइन कर ली ओर उसे 28 किलोमीटर रोज साइकल से आना जाना पड़ता था, तब उनके साथ ओर भी युवा थे जो साइकल से नौकरी करने जाते ओर आते। कुछ दिनों बाद कालोनी में सरकारी क्वाटर मिल गया जहा अनेक युवक अपने परिवार के साथ रहने लगे ओर उनकी परेशानी समाप्त हो गई लेकिन बड़ा बेटा राज परेशान रहता ओर साइकल से आजा जाना करता था की उन्ही दिनों सुबह पौने छह बजे फौजदार बस अमरावती के लिए निकलती जिसे पकड़कर इटारसी ओर इटारसी से 7 बजे इसरानी बाद मिलती जो 8 बजे उन्हे फेक्ट्री पहुंचा देती थी जिससे बड़े बेटे राज ने जाना शुरू कर दिया जो आते-जाते समय बरसात के दिनों में अनेक बार पानी भी भीगकर आने पर वह घर चूल्हे में कंडा जलाकर बहुत देर तक आग तापता फिर जल्द सोने के बाद सुबह 5 बजे उठकर तैयार होता जबकि बड़ी बहू लीला 4 बजे उठकर टिफिन तैयार करती।

भगवतिया ने अब अपने मँझले बेटे आनंद को सुबह बसस्टेंड पर बड़े बेटे को साइकल से छोड़ने के लिए लगा दिया जो रोज घर से पुराने बसस्टेंड के आगे गोपाल होटल पर फौजदार बस तक छोडता था, कई बार एक दो मिनिट लेट होने पर रेलवे फाटक की ओर से आना होता तब बस का ड्राइवर ट्रेनों का समय जानता था ओर बस लेट न हो इसलिए भागता किन्तु कई बार फाटक बंद होने पर लेट होने वालों को बस मिल जाया करती थी। जब बस समय पर छूटने से नही मिलती तब राज साइकल से ही इटारसी को भागता ताकि 7 बजे वह बस पकड़ सके। बहू लीला खुद को स्वछंद मानकर जीवन में स्वतंत्रता चाहती थी लेकिन परिवार की सामाजिक मर्यादाओं में बंधी होने से सास श्वसुर के सामने एक भी निर्णय नही ले सकती थी। इधर राज को सरकारी क्वाटर भी मिल गया ओर उसने पहले माँ ओर पिता को यह क्वाटर दिखाया ताकि उन्हे उनके बेटे की काबलियत पर गर्व है, यह बात बहू लीला का अच्छी नहीं लगी लेकिन वह अपना मन मसोस कर रह गई। पति का व्यवहार लीला को कचोट गया था फिर भी दिल पर पत्थर रखकर वह जब भी मौका मिलता अपने पति को मस्का लगाती की तुम रोज-रोज कब तक परेशान रहोगे, अच्छा होता फ़ेक्ट्री के आवासीय क्वाटर में रहना शुरू कर दे ताकि न आपको परेशानी होगी ओर न ही मैं यहा परेशान रहूँगी, पर राज में इतना साहस नहीं था की वह अपने माता पिता को यह कह सके की वह पत्नी के साथ रहेगा। राज जानता था की उसके पिता भी बाहर नौकरी पर है ओर माँ जिस प्रकार घर संभाल रही है उसकी बहू भी घर में उसकी मदद करे।

लीला का विवाह हुये कुछ दिन बीते थे कि उसके मायके से लिवाने उनके पिताजी आ गए। लीला की शादी में समधौरा कि रश्म अदायगी हुई थी इसलिए इस रश्म के बाद दुल्हन कि माँ ओर उसकी सास के बीच का पर्दा हट गया था ओर पिता का बेटी के घर चाय-पानी पीने का प्रतिबंध हट गया था। लीला अपने मायके से कुछेक दिन रहकर लौटी तब उसका मिजाज उखड़ा उखड़ा था ओर आंखे अंगार सी दहकती थी। जब भी राज लीला के साथ कमरे में होते लीला के बोल बिगड़ जाते ओर वह आक्रोश में परिवार के मर्यादाए भंग करने से नही चूकती थी जिससे सास भगवतिया भी बिगड़ जाती किन्तु लीला आपे से बाहर हो जाती जिससे राज डरने लगा जिसे माँ ने भाँप लिया। माँ समझ गई जबसे लीला मायके से लौटी है तब से वह बदल गई है ओर उसमें किसी रूह ने कब्जा कर उसे बस में कर लिया है। परिवार के लोग एकत्र हुये ओर लीला को घर पर विजयासेन देवी के चबूतरे पर ले गए जहा पड़िहार के रूप में मझले के सीश देवी न आकार चारचा कि तो लीला बिफर गई ओर मँझले की देवी यह कहकर चली गई कि यह मेरे बस में नहीं है। मूलचंद दादा के बड़े बेटे जगदीश को पता चला तो वह चबूतरे पर पहुंचा। अचानक जगदीश के शीश में हरदोल देवता का आगमन हुआ जिन्होने लीला पर आई अदृश्य आफत से छुटकारा दिलाया। अब सास भगवतिया को बहू लीला का चिंता ज्यादा होने लगी विशेषकर तब जब वह इस घर के लिए पहला सुखद समाचार एक संतान के रूप में देने वाली थी। 21 दिसंबर 1982 को वह दिन आया जब राज ओर लीला के घर एक नन्ही से परी के रूप में बिटिया ने जन्म लिया जिसकी खुशी सभी को थी। जगतनारायण के घर यह पहली खुशी थी जिसे धूमधाम से मनाया गया ओर लीला के मायके वालों ने लड्डू देने कि रश्म में कोई कसर नही छोड़ी।

आत्माराम यादव